WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

रिया को मिला आयुष्मान का सपोर्ट

वर्षः 01 अंक : 233 | लखनऊ, मंगलवार, 11 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात ही। इस दौरान पीएम ने उत्तर प्रदेश, असम, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की। पीएम मोदी ने मॉनसून और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों पर बात की। यह जानकारी पीएमओ ने दी है। पीएम मोदी ने 6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से चर्चा के दौरान राज्य और केंद्र की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। पीएम ने बाढ़ की अग्रिम चेतावनी के लिए एक स्थायी सिस्टम और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की बात कही। इस दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और जी किशन रेड्डी के अलावा वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ भाग

लिया। राज्य सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, 6 अगस्त को बिहार में कई जिलों को प्रभावित करने वाली बाढ़ से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और एसडीआरएफ सहित 30 से अधिक टीमों को तैनात किया गया था। बाढ़ के कारण राज्य के 16 जिले प्रभावित हुए हैं। केरल से मुख्यमंत्री एम पिनराई विजयन, राजस्व मंत्री ई चंद्रशेखरन, स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा, मुख्य सचिव डॉ. विश्व मेहता और डीजीपी लोकनाथ बेहरा बैठक में शामिल हुए। केरल के अलाप्पुझा जिले में कुट्टनाड तालुक के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। केरल सरकार के अनुसार, पांच और शव बरामद होने के बाद सोमवार को इडुक्की में राजमाला भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। जैसा कि केरल में पिछले कई हफ्तों से लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कासरगोड जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जिला कलेक्टर (डीसी) डॉ. डी सजीथ बाबू ने कहा कि किसी भी तरह की आपदा से संबंधित मुद्दों का सामना करने के लिए तैयार है। बैठक में कर्नाटक से राज्य के गृह मंत्री बसवराज बोम्मई, राजस्व मंत्री आर अशोक ने भाग लिया। मांड्या जिले के उपायुक्त एमवी वेंकटेश ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में कावेरी नदी में जल स्तर बढ़ने के कारण कावेरी नदी का जल स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जबकि भागमंदला और इसके आसपास के क्षेत्रों में बारिश जारी है। कर्नाटक के गृह मंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हमने पीएम से बात की और उन्हें भारी बारिश से राज्य में हुए नुकसान की जानकारी दी। हमने एसडीआरएफ फंड के लिए 395 करोड़ का इंस्टॉलमेंट मांगा है। राज्य को 4000 करोड़ के विशेष मदद की भी मांग की गई है।

पीएम मोदी ने 6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से चर्चा के दौरान राज्य और केंद्र की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया

एहतियात के तौर पर जनता को प्रतिबंधित कर दिया गया है। लगातार बारिश के कारण कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार,

कोविड अस्पतालों में गुणवत्तापरक चिकित्सा व्यवस्था बनाएः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त कोविड अस्पतालों में गुणवत्तापरक चिकित्सा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आवश्यकतानुसार इन अस्पतालों में अतिरिक्त चिकित्साकर्मियों की तैनाती की जाए। उन्होंने सभी जनपदों में कोविड-19 के दृष्टिगत एल-2 व एल-3 कोविड अस्पतालों में बेड्स की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इन अस्पतालों में आई0सी0यू0 बेड्स की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन निजी मेडिकल कॉलेजों में कोविड चिकित्सालय स्थापित किए गए हैं, वहां की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा एक नियंत्रक अधिकारी नामित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद कानपुर नगर तथा लखनऊ में कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने तथा चिकित्सा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के कार्यों में सम्बन्धित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से दोनों जनपदों में विशेष सचिव स्तर के दो-दो अधिकारी तैनात किए जाएं। इसके अलावा जनपद वाराणसी, प्रयागराज, बरेली, गोरखपुर तथा बहराइच में भी सम्बन्धित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए विशेष सचिव स्तर का एक अधिकारी तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सभी प्रयास जारी रखे जाएं। कोरोना वायरस से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जनता को निरन्तर जागरूक किया जाए। टी0वी0, रेडियो, समाचार पत्रों, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पोस्टर बैनर आदि के माध्यम से लोगों को जानकारी प्रदान की जाए। मास्क के अनिवार्य उपयोग, दो गज की दूरी बनाए रखने के सम्बन्ध में आमजन को लगातार जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी अस्पतालों में फायर सेफ्टी के सभी मानक पूरे हों। इसके साथ ही, अस्पतालों में अन्य सुविधाएं भी तय मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बाढ़ प्रभावित व जलमग्न इलाकों में लोगों को समय से राहत पहुंचाई जाए।

ईआईए पर विपक्ष का रवैया ठीक नहीं:जावडेकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) नियमों में संशोधन के प्रारूप पर विपक्ष की आलोचनाओं के बीच पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने आज कहा कि अभी संशोधन का अंतिम मसौदा तैयार नहीं हुआ है और इसलिए इसको लेकर आंदोलन का विपक्ष का रवैया ठीक नहीं है। श्री जावडेकर ने यहाँ एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा ÷कुछ लोग इतने उतावले हो गये हैं कि उन्होंने अभी आंदोलन करने का आह्वान कर दिया है। अभी तो यह प्रारूप है। अभी ये जो सुझाव आये हैं। उन पर विचार होगा। उसके बाद अंतिम मसौदा तैयार होगा। किसी को कुछ प्रतिक्रिया भी देनी है तो तब देना उचित है। दूसरा कुछ कार्यक्रम नहीं है तो चलो यहाँ आंदोलन करो, इस तरह का रवैया अच्छा नहीं है। ईआईए नियमों में प्रस्तावित बदलावों की पर्यावरणविदों के साथ ही मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस

भी जमकर आलोचना कर रही है। पूर्व पर्यावरण मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश दो बार श्री जावडेकर को इस संबंध में पत्र लिखकर अपनी आपत्ति जता चुके हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी ने भी रविवार को इस पर सरकार को आड़े हाथों लिया था। विपक्ष का आरोप है कि सरकार पूँजीपतियों को फायदा पहुँचाने के लिए पर्यावरण मंजूरी संबंधी नियमों में ढील देकर पर्यावरण से खिलवाड़ कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने श्री रमेश के पत्र का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया है। संशोधन के प्रस्ताव पर सुझाव देने का समय रविवार को समाप्त हुआ है। अब सुझावों पर विचार होगा। विचार के बाद सरकार क्या बदलाव करती है और कैसा प्रारूप लाती है यह जनता के सामने आयेगा। तब प्रतिक्रिया देना उचित है। आज यह जल्दबाजी है।

दिल्ली में कोरोना रिकवरी दर 90 फीसदी के पार

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) की जांच संख्या में कमी आने से नये मामलों की संख्या में भी गिरावट दर्ज की गयी। राहत की बात यह है कि मरीजों के स्वस्थ होने की दर सोमवार को फिर से सुधार दर्ज करते हुए 90 फीसदी के पार पहुंच गयी। दिल्ली स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से आज जारी आंकडों के अनुसार पिछले 24 घंटों में केवल 707 नये मामलों से कुल संक्रमितों की संख्या 1,46,134 पर पहुंच गई। रविवार को 1300 नये मामले दर्ज किये गये थे। इस दौरान 1,070 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों का कुल आंकड़ा 1,31,657 हो गया। देश में दिल्ली का स्थान रिकवरी वाले सर्वाधिक राज्यों में है। दिल्ली की रिकवरी दर गत दिवस 89.79 की तुलना में मामूली बढ़कर 90.09 प्रतिशत पर आ गई।

दूसरों के बल पर आत्मविश्वास नहीं बढाया जा सकता:राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को आत्मविश्वास बढाने का विजन बताते हुए आज कहा कि दूसरों के बल पर निर्भर रहकर कभी भी आत्मविश्वास नहीं बढाया जा सकता। श्री सिंह ने यहां रक्षा उत्पादन विभाग , सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों और आयुध निर्माणियों द्वारा मिलकर शुरू किये जा रहे आत्मनिर्भर सप्ताह के उद्घाटन के मौके पर कहा कि इन गतिविधियों से रक्षा उत्पादन को बढावा मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत अभियान का विजन इस महामारी के कठिन समय में, न केवल आर्थिक विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि उससे कहीं अधिक हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाने का विजन है। दूसरों के बल पर निर्भर रहकर कभी भी अपना आत्मविश्वास नहीं बनाया जा सकता है। उसके लिए स्वयं का आत्मनिर्भर होना ही एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने इसके लिए पांच सूत्रों पर आधारित इच्छा , समावेश, निवेश , ढांचागत सुविधा और नवाचार का रास्ता सुझाया है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना केवल रक्षा ही नहीं, बल्कि नागरिक समाज के लिए भी बहुत फायदेमंद हो सकता है। उन्होंने कहा यदि हम अपने सभी साजो-सामान देश में ही निर्मित करने में सक्षम होते हैं।

देश में अब तक 15.35 लाख हुए कोरोना मुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच इस बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान 54 हजार से ज्यादा लोगों के स्वस्थ होने के बाद अब तक 15.35 लाख से अधिक मरीज कोरोना मुक्त हो गये हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 54,859 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 15,35,743 हो गयी है। इसी अवधि में 1007 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 44,386 हो गयी। देश में सक्रिय मामलों की संख्या अब 6,34,945 हो गयी है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 1490 घटकर 1,45,865 हो गयी तथा 390 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 17,757 हो गया।

विश्व के कुल संक्रमितों में करीब 52 फीसदी अमेरिका ब्राजील और भारत से

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है और विश्व के तीन देशों अमेरिका, ब्राजील और भारत में कुल संक्रमित 19,780,612 मामलों में से करीब 52 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए हैं। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे, मेक्सिको तीसरे और ब्रिटेन चौथे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में पांचवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 19,780,612 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 729,768 लोगों की मृत्यु हुई है।

कोरोना वायरस से हो रही डॉक्टरों की मौतों पर बोले राहुल गांधी

मोदी सरकार ने विश्वासघात किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अब कोरोना मामले में सरकार को घेरा है। राहुल गांधी पिछले काफी दिनों से सरकार पर लगातार हमला कर रहे हैं। राहुल ने पहले चीन को लेकर सरकार से लगातार सवाल किए और उसके बाद रक्षा मंत्रालय दस्तावेजों को लेकर लगातार हमलावर रहे। इस बार राहुल गांधी ने कोरोना वायरस से मेडिकलकर्मियों की मौत संबंधित एक रिपोर्ट के हवाले से सरकार को घेरा है। राहुल गांधी केंद्र सरकार पर काफी दिनों से अटैकिंग मोड पर हैं। इस बार राहुल गांधी ने एक न्यूज रिपोर्ट का हवाला देकर सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा है, कोरोना वॉरीयर्स के लिए ताली-थाली बजाकर जनता ने मोदी जी पर विश्वास जताया। लेकिन मोदी सरकार ने कोरोना वॉरीयर्स की सहायता करने से हाथ खींच

कर हमेशा की तरह विश्वासघात किया। सरकार को कोरोना वॉरीयर्स को सुरक्षा, सम्मान और सुविधाएँ देनी ही होंगी। दरअसल, रिपोर्ट में दावा किया है कि कोरोना से अब तक 18 राज्यों में 196 डॉक्टरों की मौत हो चुकी है। इसके मद्देनजर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें सभी डॉक्टरों को स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने की मांग की है। एसोसिएशन के अनुसार तमिलनाडु में 43, महाराष्ट्र में 23, गुजरात में 23, बिहार में 19, पश्चिम बंगाल में 16, कनार्टक में 15, दिल्ली में 12 व उत्तर प्रदेश में 11 डॉक्टरों की मौत हो चुकी है।

अवमानना मामलाः भूषण का स्पष्टीकरण नामंजूर सुनवाई रहेगी जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने 11 साल पुराने अवमानना मामले में जाने माने वकील प्रशांत भूषण का स्पष्टीकरण नामंजूर करते हुए गुण-दोष के आधार पर सुनवाई करने का सोमवार को निर्णय लिया। इसके साथ ही, श्री भूषण के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला जारी रहेगा। अब इस मामले की सुनवाई 17 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा, हमें इस बात को (कानून की कसौटी पर) परखने की जरूरत है कि श्री भूषण का भ्रष्टाचार को लेकर दिया गया बयान अदालत की अवमानना का मामला बनता है या नहीं? इस प्रकार इस मामले की सुनवाई करना जरूरी है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख मुकर्रर की।

बिहार में बाढ़

बूढ़ी गंडक व बागमती अब भी खतरे के निशान के ऊपर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। उत्तर बिहार में दो नदियों से तबाही अब भी जारी है। बूढ़ी गंडक व बागमती में पानी घटने के बावजूद जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। मुजफ्फरपुर व दरभंगा में इन दोनों नदियों ने अब भी तबाही मचा रखी है। बांध व एनएच पर शरण लेने वाले हजारों लोग अपने घर लौटने की ताक में हैं, लेकिन नदियों का जलस्तर लगातार खतरे के निशान से ऊपर बने रहने के कारण तुरंत इसकी कोई संभावना नहीं दिख रही। मुजफ्फरपुर में बूढ़ी गंडक का जलस्तर अब भी 52.86 मीटर पर बना हुआ है जो खतरे के निशान से ऊपर है। वहीं बागमती का भी जलस्तर 54.80 मीटर है, जो खतरे के निशान से ऊपर है। दोनों नदियों ने जिले में तबाही मचा रखी है। जिले में बाढ़ से 14 प्रखंड के करीब 14 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बूढ़ी गंडक के पानी से तिरहुत नहर टूटने के बाद सकरा व मुरौल के सैकड़ों लोगों ने एनएच 28 पर शरण ले रखा है। यहां प्रभावित गांव में पानी कम हो रहा है। वहीं मुजफ्फरपुर-पूसा मार्ग पर भी दर्जनों लोग डेरा डाले हुए हैं। बागमती से प्रभावित औराई व कटरा इलाके में अब स्थिति सामान्य हो रही है। गायघाट व बंदरा इलाके में भी बागमती की बाढ़ का पानी कम हुआ है। हालांकि दोनों प्रखंड की दर्जनों पंचायत का अभी सड़क संपर्क भंग है।

सुशांत मौत मामला : रिया ने मीडिया ट्रायल पर सवाल उठाये

नयी दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में मॉडल रिया चक्रवर्ती ने सोमवार को नया हलफनामा दायर करके मीडिया ट्रायल पर सवाल खड़े किये हैं। रिया ने अपने हलफनामे में कहा है कि सुशांत की मौत मामले को ज्यादा तूल दिया जा रहा है और मीडिया ऐसा साबित करने में लगा है कि वह इस हत्या के लिए दोषी है।

रिया का कहना है कि पिछले एक महीने में सुशांत की तरह दो और कलाकारों - आशुतोष भाकरे और समीर शर्मा- ने भी आत्महत्याएं की है, लेकिन इन मामलों के बारे में मीडिया में कानाफूसी भी नहीं हो रही है। सुशांत के खातों से धनशोधन के मामले में लगातार पूछताछ का सामना कर रही रिया ने अपने नये हलफनामे में बिहार पर चुनाव के मद्देनजर इस मामले को राजनीतिक रंग दिये जाने का आरोप लगाया। उसने कहा कि सुशांत की मृत्यु की दुखद घटना बिहार में चुनाव के मद्देनज़र उठाई जा रही है। इसके चलते मृतक की आत्महत्या का मुद्दा अलग-थलग हो गया और इसे बड़े पैमाने पर उठाया गया। उल्लेखनीय है कि सुशांत की बीते 14 जून को मुंबई स्थित उनके फ्लैट में मौत हो गई थी। इस मामले में मुंबई पुलिस की जांच से असंतुष्ट सुशांत के पिता के के सिंह ने पटना में प्राथमिकी दर्ज करायी है और रिया के परिवार को अपने बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार बताया था।

संजय राउत, आदित्य ठाकरे का नारको टेस्ट करे सीबीआईः भाजपा

पटना, एजेंसी। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुंबई के मेयर की सीबीआई को धमकी देने की निंदा करते हुए कहा कि सुशांत सिंह राजपूत के कथित आत्महत्या मामले में शिवसेना का दामन भी दागदार है। ऐसे में सच को सामने लाने के लिए सीबीआई को शिवसेना नेता संजय राउत और आदित्य ठाकरे का नारको टेस्ट करना चाहिए। बिहार भाजपा प्रवक्ता डॉ. निखिल आनंद ने मुम्बई की मेयर द्वारा सीबीआई को धमकी देकर पहुंचते ही क्वारंटाइन करने की चेतावनी देने को निंदनीय करार देते हुए कहा कि इससे स्पष्ट हो गया है कि बीएमसी ने महाराष्ट्र सरकार के इशारे पर ही बिहार के आईपीएस विनय तिवारी को क्वारंटाइन किया गया था। निखिल ने आरोप लगाया कि रिया के साथ मिलकर संजय राउत सुशांत की सलेक्टीव फैमिली डिटेल को सार्वजनिक कर रहे हैं।

वाजपेयी से आगे निकलेंगे मोदी, बनायेंगे रिकार्ड

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सातवीं बार लाल किले के प्राचीर पर तिरंगा फहरायेंगे और राष्ट्र को संबोधित करेंगे , जिसके साथ ही वह सबसे अधिक बार ऐसा करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री होंगे। श्री मोदी ने पहली बार 2014 में लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था और पिछले वर्ष अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में छठवीं बार तिरंगा फहराकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के पहले प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की बराबरी कर ली थी। वह इस बार श्री वाजपेयी से एक कदम आगे बढ़कर सातवीं बार तिरंगा फहरायेंगे।

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मुखिया रहे अटल बिहारी वाजपेयी 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 के बीच छह बार तिरंगा फहराया था। श्री वाजपेयी हालांकि 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे लेकिन उनकी सरकार ज्यादा दिन नहीं चल पायी थी और उन्हें राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अवसर नहीं मिल पाया था। देश में आपातकाल को लेकर आम जनता में आक्रोश की लहर ने 1977 के आम चुनाव में तत्कालीन कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया और केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी । आजादी के बाद यह पहली गैर-कांग्रेसी सरकार थी। श्री मोरारजी देसाई इस सरकार के मुखिया बने। उन्होंने दो बार 1977 और 1978 में लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा फहराया था। इसके बाद 28 जुलाई 1979 को चौधरी चरण सिंह समाजवादी दलों और कांग्रेस (यू) के सहयोग से प्रधानमंत्री बने तथा उसी साल पहली एवं आखिरी बार तिरंगा फहराया । श्री चरण सिंह के अलावा विश्वनाथ प्रताप सिंह, एच डी. देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल भी ऐसे गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहे , जिन्हें एक-एक बार तिरंगा फहराने का सौभाग्य हासिल हुआ। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि ऐसी दो शख्सियतें भी रही , जो प्रधानमंत्री तो बने , लेकिन उन्हें लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना नसीब नहीं हुआ। गुलजारी लाल नंदा कुछ समय के लिए कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने। श्री लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद भी वह कुछ समय के लिए कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने। इसी प्रकार श्री चंद्रशेखर 10 नवंबर 1990 को प्रधानमंत्री बने लेकिन छह महीने बाद ही कांग्रेस ने उनकी पार्टी की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया और उन्हें 21 जून 1991 को पद से हटना पड़ा। अतीत के झरोखों में देखा जाये तो यही नजर आता है कि स्वाधीन भारत के इतिहास में सबसे अधिक बार तिरंगा फहराने का रिकार्ड प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के नाम है।

उदयगंज चीनी समानो को जलाकर विरोध प्रदर्षन करते आदर्ष व्यापार मण्डल के मुख्य पदाधिकारी व अन्य

मीडिया ने इजरायल नवाजी में सभी सीमाओं को पार कर लियाः कलबे जवाद

लखनऊ, संवाददाता। मजलिस -ए- उलेमा-ए-हिंद ने लेबनान की राजधानी बेरुत में हुए बम विस्फोटों के बाद लेबनान की पार्टी हिजबुल्लाह के महासचिव सैयद हसन नसरूल्लाह को मीडिया द्वारा आतंकवादी करार देने की कड़ी निंदा की और इस हरकत को एक जुर्म बताया। मजलिस -ए- उलेमा-ए-हिंद के सभी सदस्यों जिनमें मौलाना सैयद हुसैन मेहदी हुसैनी (अध्यक्ष) मुंबई, मौलाना सैयद मोहसिन तकवी (उपाध्यक्ष) दिल्ली, मौलाना सैयद नईम अब्बास (उपाध्यक्ष) नोगवॉ सादात, मौलाना सैयद ताकी आगा हैदराबाद, मौलाना काजी गुलाम मेहदी खान चेन्नई, मौलाना सैयद करामत हुसैन जाफरी कश्मीर, मौलाना अजहर अली आबिदी कर्नाटक, मौलाना सैयद सफदर हुसैन जौनपुरी,मौलाना सैयद रजा हुसैन, मौलाना सैयद तसनीम मेहदी जैदपुरी, मौलाना निसार अहमद जैनपुरी ,मौलाना तकी हैदर दिल्ली,मौलाना आबिद अब्बास दिल्ली, समेत अन्य सदस्यों ने सैयद हसन नसरल्लाह के चरित्र को बदनाम करने के इस प्रयास की कडी निंदा की। उलेमा ने कहा कि यह एक अपराध है जिसके खिलाफ भारत सरकार और मीडिया की निगरानी करने वाली संस्थानों को कडी कार्रवाई करनी चाहिए। उलेमा ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय मीडिया संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल नवाजी में इस तरह की हरकतें कर रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ सैयद हसन नसरल्लाह की कुर्बानी और सेवाओं को जानती है, लेकिन इस्तेमारी शक्तियों के डर ने उनकी जुबान पर ताला लगा दिया है। उन्होंने कहा कि बेरुत बम विस्फोट को भारतीय मीडिया ने लेबनानी सरकार और वहॉ की खुफिया एजेंसियों के विपरीत हिजबुल्लाह को इसका जिम्मेदार बताया है,यह जुर्म है और लेबनानी जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमले है। लेबनान सरकार ने एसा कोई बयान जारी नहीं किया है जिसमें हिज्बुल्लाह पर हमले को अंजाम देने का आरोप लगाया गया हो। यह सरासर झूठ और निराधार खबर है जिसे भारतीय मीडिया में प्रसारित किया जा रहा है। इसके खिलाफ युवाओं को मीडिया की साजिश का पर्दाफाश करने के लिए भारत सरकार और मीडिया की निगरानी करने वाली संस्थाओं को पत्र लिखना चाहिए।

सीएम योगी ने 7 लाख 31 हजार इकाईयों को दी संजीवनी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मानना है हर संकट साथ में अवसर भी लाता है। वैश्विक महामारी कोरोना भी इसका अपवाद नहीं। ऐसे में रोजगार मुहैया कराने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग एमएसएमई को प्रभावी हथियार बनाया है। सात लाख 31 हजार पुरानी और नई एमएसएमई इकाईयों को उनकी जरूरत के अनुसार 21 हजार करोड़ रुपये का ऋण देकर उन्हें नई संजीवनी दी गयी है। इससे आत्मनिर्भरता के साथ रोजगार भी बढ़ रहे हैं। कोरोना के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपलब्ध कराए गए आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत वह प्रदेश के अधिकतम लोगों को रोजगार मुहैया कराना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने कम पूंजी, कम जोखिम और न्यूनतम आधारभूत संरंचना में सर्वाधिक रोजगार मुहैया कराने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग एमएसएमई अधिक मजबूत बनया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश, विभाग की पहल और बैंकर्स के सहयोग से 90 से कम दिनों 14 मई से सात अगस्त 2020 में सात लाख 31 हजार पुरानी और नई एमएसएमई इकाईयों को उनकी जरूरत के अनुसार 21 हजार करोड़ रुपये का ऋण दिया जा चुका है। इससे 17 लाख लोगों को रोजगार का अवसर मिला। इसमें से 13 लाख रोजगार के मौके तो सिर्फ नई इकाईयों में सृजित हुए। मालूम हो कि मई में जैसे ही प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की उसके तुरंत बाद ही योगी सरकार प्रदेश के व्यापक हित मे इसका अधिकतम लाभ लेने के लिए सक्रिय हो गई। इस क्रम में पैकेज की घोषणा के महज 24 घंटे के भीतर ही लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पांच कालिदास पर पहला मेगा अनलाइन लोन मेला आयोजित हुआ। इसमें 57 हजार इकाईयों को 2002 करोड़ रुपये का ऋण बांटा गया। 23 जून को वहीं पर आयोजित दूसरे ऑनलाइन लोन मेले में प्रधानमंत्री की ओर से एक लाख 35 हजार इकाईयों को 45 हजार के ऋण बांटे मंजूर किए गए। सात अगस्त को वैसे ही आयोजन में 129753 इकाईयों को 4661 करोड रुपये के ऋण बांटे या मंजूर किए जा चुके हैं। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में अधिक से एमएएसएमई इकाईयां लगें। ताकि इनके जरिए प्रदेश देश का मैन्यूफैक्ट रिंग हब बने और लोगों को स्थानीय स्तर पर उनके हुनर के अनुसार रोजगार भी मिले, इसके लिए फोकस नई इकाईयों पर है। ऋण पाने वाली इकाईयों में करीब 3 लाख 22 हजार नई हैं। इनको 11163 को ऋण मिल चुका है। अपर मुख्य सचिव एमएसएमई नवनीत सहगल ने कहा कि ष्मुख्यमंत्री की मंशा है कि सर्वाधिक आबादी और सर्वाधिक एमएसएमई इकाईयों के नाते आत्मनिर्भर भारत पैकेज का सर्वाधिक हिस्सा भी उप्र को मिले।

विधायक पर हमला भाजपा के जंगलराज का सबूतः सपा

समाजवादी पार्टी

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पर हुए हमले को लेकर समाजवादी पार्टी ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बृजेश प्रजापति पर हमला भाजपा सरकार के जंगलराज का एक और सबूत है। समाजवादी पार्टी ने अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, जिस सरकार में सत्ता पक्ष का विधायक तक सुरक्षित नहीं, उस जंगलराज में आम नागरिक कितना असुरक्षित होगा अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं। लखनऊ में बांदा के तिंदवारी से बीजेपी एमएल, बृजेश प्रजापति पर हमला भाजपा सरकार के जंगलराज का एक और सबूत है। हमलावरों पर कार्रवाई करे सरकार। ज्ञात हो कि राजधानी के पीजीआई क्षेत्र में के तेलीबाग कुम्हार मंडी पर रविवार देर शाम भाजपा विधायक पर हमला कर दिया गया है। उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की गयी है। हालांकि मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को पकड़ लिया है। उप्र तिंदवारी विधानसभा से भाजपा विधायक ब्रजेश प्रजापति ने बताया कि वह पीजीआई स्थित कुम्हार मंडी पर अपने ससुराल जा रहे थे। तभी कुछ लोगों ने उनके साले पर हमला कर दिया। इसकी जानकारी होने पर मैंने पुलिस को सूचना दी। जब तक पुलिस पहुंचती तब तक हमलावरों ने उसका घर घेर लिया। मैं रास्ते पर था मेरे उपर भी हमला किया गया। गनर की वर्दी फाड़ दी गयी। किसी को गंभीर चोट नहीं आई है, हमने मामले में तहरीर दी है। मुख्य आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है।

हिंदुस्तान और देश के मुसलमानों के लिए आतंकी संगठन रच रहे साजिशः वसीम रिजवी

लखनऊ, संवाददाता। अपने बयानों से अक्सर सुर्खियों में बने रहने वाले शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने अपने ताजा बयान में हिंदुस्तान और देश के मुसलमानों के खिलाफविदेशी मुल्कों को साजिश रचने का आरोप लगाया है। रिजवी ने कहा कि आतंकी संगठन चाहते है कि हिंदुस्तान के मुसलमान ग्रह युद्ध के लिए तैयार हो जाये। पूर्व चेयरमैन वसीम रिजवी ने सोमवार को मीडिया में बयान जारी करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में आतंकी जहनियत रखने वाले मुसलमान और जिहाद के लिए पूरी दुनिया को तैयार करने वाली आतंकी संगठन हिंदुस्तानी मुसलमानों को टारगेट बना रही है। रिजवी ने कहा कि आतंकी संगठन चाहते है कि हिंदुस्तान में नफरत का माहौल पैदा हो और हिंदुस्तान का मुसलमान हाथों में असलहा लेकर ग्रह युद्ध के लिए तैयार हो जाये। मुसलमान जिहाद के लिए तैयार हो जाये और पूरा मुल्क कश्मीर जैसा बन जाये, इसी वजह से 15 अगस्त के मौके पर अमरीका से मेस्जस आ रहे है । वसीम रिजवी ने कहा कि यह खतरनाक साजिश है देश के लिए और देश मे रहने वाले मुसलमानों के लिए।

राकेश पाण्डेय एनकाउंटर की मानवाधिकार आयोग में शिकायत

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने कल 09 अगस्त 2020 को सरोजिनीनगर, लखनऊ में एसटीएफ द्वारा राकेश उर्फ हनुमान पाण्डेय के एनकाउंटर मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत की है,नूतन ने अपनी शिकायत में कहा है कि जिस प्रकार से उसका एनकाउंटर हुआ, उससे कई सवाल उठ रहे हैं. उन्होंने कहा है कि उसके पिता रिटायर्ड फौजी बालदत्त पाण्डेय के अनुसार राकेश को पुलिस द्वारा घर से उठा कर एनकाउंटर कर दिया गया. उन्होंने यह भी कहा कि राकेश पर ज्यादातर केस खत्म हो गए थे और उस पर ईमान कब घोषित हुआ, इसकी उन लोगों को कोई जानकारी नहीं है,नूतन ने कहा कि एसटीएफ ने सुबह एक लाख के ईनामिया होने का दावा किया जबकि शाम से इसे पचास हजार बताया गया. इतना ही नहीं, प्रयागराज के औद्योगिक क्षेत्र थाने में दर्ज जिस एफआईआर के आधार पर राकेश पर इनाम घोषित करने की बात की जा रही है।

अखिलेश का योगी सरकार पर कटाक्ष

एनकाउंटर और तबादले की नीति से कानून-व्यवस्था नहीं बनती

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़े पैमाने पर पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं। पुलिस सेवा के 111 पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) का तबादला कर दिया है। इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जुबानी हमला किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट करके लिखा कि यूपी में 100 से अधिक डिप्टी एसपी के दूर-दूर तबादले करना शासन की अपरिपक्वता और असंवेदनशीलता को दर्शाता है। नए शहर को समझने में समय लगता है साथ ही शिक्षा-सत्र के मध्य में ट्रांसफर की समस्या परिवारवाले जानते हैं। अखिलेश यादव ने साथ ही ये भी लिखा कि कानून-व्यवस्था एनकाउंटर और तबादले की नीति से नहीं बनती है। इससे पहले भी अखिलेश ने केंद्र और राज्य सरकार पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केंद्र और राज्यों में सरकारें चलाई हैं और दोनों ने ही संविधान की मूल भावना को ठेस पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इनके कारण संवैधानिक संस्थाओं में जन विश्वास को खतरा पैदा हुआ है। अखिलेश ने सपा के वरिष्ठ नेता और सांसद आजम खां का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सपा नेताओं को अपमानित करने और झूठे मुकदमा में फंसा कर समझती है कि इससे सपा का मनोबल तोड़ा जा सकता है, लेकिन यह उसकी खाम ख्याली है।

चाइना उत्पादों के विकल्प तैयार करने में भी जुट गए हैं व्यापारीः संजय गुप्ता

लखनऊ, संवाददाता। चीन के कृत्यों के विरोध में भारत के व्यापारियों के सीने में ज्वाला लगातार धधक रही है, चीन को आर्थिक नुकसान पहुंचाने तथा भारत को आत्मनिर्भर बनाने का रोड मैप देश के व्यापारी तैयार कर रहे हैं तथा इसके लिए चरणबद्ध तरीके से योजना भी बना रहे हैं एक ओर व्यापार संगठन व्यापारियों एवं जनता को चाइना की वस्तुओं के बहिष्कार के लिए जागरूक कर रहा है दूसरी ओर चीन के उत्पादों के मुकाबले में भारतीय उत्पादों के उत्पादन की तैयारी भी कर रहा है। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल एवं कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के बैनर तले सोमवार को प्रांतीय अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में उदय गंज चौराहे पर चीन के उत्पादों की होली जलाई गई तथा चीन के विरोध में नारे लगाए गए तथा भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं के द्वारा या स्वयं की सहायता से या समूह बना कर एक छोटी या बड़ी औद्योगिक इकाई लगाने का संकल्प भी लिया गया। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा चीनी वस्तुओं को देश से बाहर करने के लिए सरकारी स्तर पर, व्यापारिक एवं औद्योगिक स्तर पर एवं निजी स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने होंगे तथा सबसे पहले हमें चाइना के उत्पादों के विकल्प तैयार करने होंगे ,उन्होंने कहा इस बार रक्षाबंधन में देश में चाइना से राखी का आयात बिल्कुल भी नहीं हुआ जिससे चाइना को लगभग 4000 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ तथा भारत के कुटीर उद्योगों को लाभ हुआ। उन्होंने कहा इस बार की दिवाली पूर्ण रुप से भारतीय दिवाली होगी रक्षाबंधन की तरह दिवाली में भी चाइना से किसी भी प्रकार का आयात नहीं किया जाएगा उन्होंने कहा इसी प्रकार के सतत मुहिम से भारत के कुटीर उद्योग मजबूत होंगे तथा धीरे-धीरे चाइना के उत्पादों का विकल्प भारत में तैयार होने लगेगा उन्होंने कहा आदर्श व्यापार मंडल इस मुहिम को गंभीरता के साथ आगे कई वर्षों तक चलाएगा।

11 अगस्त से 13 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट जारी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में कई जिलों में मौसम विभाग ने 11 अगस्त से 13 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही यूपी मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहाकि यूपी के लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, बरेली, सहारनपुर जिले में सोमवार को भारी बारिश होना है। साथ ही यह अलर्ट भी जारी किया है कि इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने का भी खतरा बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ ने संभावना जताई है कि पश्चिमी यूपी के अलावा पूर्वांचल और मध्य यूपी में हल्की बारिश हो सकती है। यहां आकाशीय बिजली चमकने की संभावना बहुत कम है। एनसीआर में बारिश तो नहीं होगी लेकिन कड़क धूप नहीं निकलेगी। आर्दता अधिक रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अभी मानसून ट्रफ पंजाब के फिरोजपुर, दिल्ली के ऊपर से होते हुए बंगाल की खाड़ी और ओडिशा के ऊपर से गुजर रहा है। यह ट्रफलाइन सोमवार से शिफ्ट होकर बिहार के ऊपर से होते हुए उत्तर की तरफ बढ़ेगा। इससे भारी बारिश की संभावना बनेगी। इसके अलावा दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जो बिहार के मौसम को प्रभावित करेगा। राजधानी लखनऊ में मौसम का बुरा हाल है। उमस की वजह से जनता बहुत परेशान है। सारी रात गर्मी और उमस के बीच कटी। और सुबह भी वहीं हाल रहा। पर मौसम विभाग संभावना जता रहा है कि सोमवार 10 अगस्त के शाम पांच बजे से भी बारिश शुरू होगी।

अमूल्य प्रतिभाओं की विरासत को सहेजे उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल

लखनऊ, संवाददाता। अपनी नियमित रेल सेवा एवं रेल संचालन के अतिरिक्त उत्तर रेलवे का लखनऊ मंडल समाज के अन्य क्षेत्रों में भी पूर्णतया जागरूक रहते हुए अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन भी करता रहता है एवं समाज की ऐसी विशेष प्रतिभायें जिन्होंने अपने संकल्प एवं दृढ इच्छाशक्ति से खेल-कूद, सांस्कृतिक सहित अन्य क्षेत्रो में किसी प्रकार की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है तो ऐसी प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन एवं उनको प्रोत्साहित करते हुए उन्हें संरक्षण प्रदान कर रेल सेवा का अवसर भी प्रदान करती है, जैसा कि विदित है कि भारतीय रेल में प्रतिभाओं की सराहना करते हुए इन प्रतिभाओं की योग्यता एवं निपुणता का ध्यान रखते हुए ऐसी प्रतिभाओं को संरक्षा प्रदान करते हुए इनको रेल सेवा हेतु प्रेरित किया जाता है।

थाना अमीनाबाद के अंतर्गत 30 मिनट से लगा नजीराबाद में भीषण जाम पुलिसकर्मी नदारद

बहरौली गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम,एसडीएम ने किया निरीक्षण

➲ एक सप्ताह से वायरल फीवर से प्रभावित है लोग
➲ चिकित्सकों ने मरीजों को देख दी दवाई

बिंदकी, फतेहपुर ! गांव में वायरल फीवर की जानकारी होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची मरीजों को देखा और दवा भी वितरित की वहीं उप जिला अधिकारी भी गांव पहुंचे और स्वास्थ्य विभाग के कैंप का निरीक्षण के साथ गांव का भी निरीक्षण किया ग्रामीणों से बातचीत भी किया उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर इलाज करने के निर्देश भी दिए

मलवा ब्लाक क्षेत्र के बहरौली गांव में पिछले कई दिनों से वायरल और संक्रामक बीमारी के चलते कई लोग बीमार हैं जिसकी जानकारी ग्राम प्रधान अंशु श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य विभाग को दी थी। इसी के चलते गोपालगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ अरुण द्विवेदी अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे। स्वास्थ विभाग की टीम ने वायरल फीवर जुखाम आदि से पीड़ित मरीजों को देखा और उन्हें दवा भी दी गांव में उप जिलाधिकारी आशीष कुमार भी पहुंचे और चिकित्सकों की टीम से पूरे मामले की जानकारी ली इस मामले में चिकित्सकों ने बताया कि ग्रामीणों को वायरल फीवर और जुकाम की शिकायत है जिन्हें देखकर दवा दी जा रही है वहीं उप जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से भी इस मामले में बात की और आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी को देख रही है दवा दी जाएगी और निश्चित रूप से जल्द ही वायरल फीवर से जो भी मरीज पीड़ित हैं वह पूरी तरह से स्वस्थ होंगे उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देश दिए कि जहां भी गंदगी दिखाई दे वहां दवा डलवाने का काम करें ताकि संक्रामक बीमारी ने जल्द काबू पाया जा सके !

बाइकों की भिड़ंत में वृद्ध घायल

फतेहपुर, ! गाजीपुर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत सोमवार की दोपहर बाइको की भिडन्त में एक लगभग 65 वर्षीय वृद्ध घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी बृज बाबू मोटर साइकिल से असोथर कस्बा रिस्तेदारी में गया था। दोपहर लगभग 12 बजे वापस गांव लौटते समय जब वह गाजीपुर कस्बा के समीप पहुचा तभी सामने से तेज रफ्तार आ रही बाइक से भिडन्त हो गयी। जिससे वृद्ध बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुची सरकारी एम्बुलेन्स ने घायल को आनन-फानन उपचार के लिये जिला चिकित्सालय मे भर्ती करा दिया।

मामूली बात पर दो पक्षों में चले लाठी-डण्डे, एक की मौत

फतेहपुर, ! हुसेनगंज थाना क्षेत्र के गोपीपुर मजरे समदा सहोदर में रविवार की देर शाम लगभग सात बजे मामूली बात को लेकर दो पक्षों में लाठी-डण्डे चल गये। जिससे दोनों पक्षों के पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा। जहां एक की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उसे कानपुर हैलट के लिए रिफर कर दिया। परिजनों ने अच्छा इलाज कराने के लिए कानपुर के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां सोमवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गोपीपुर गांव में लगभग दस वर्षीय एक बालिका रविवार की शाम जंगल से गांव डण्डा घुमाते हुए आ रही थी। रास्ते में अचानक उसका डण्डा एक युवक को लग गया। जिससे नाराज होकर युवक ने बालिका को कई थप्पड़ जड़ दिये। बालिका ने घर जाकर पूरी बात परिजनों को बताई। इस पर बच्ची के माता-पिता उलहना देने गये तो विवाद होने लगा। मामला मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों से लाठी-डंडे चले. घटना में रजपाल यादव पुत्र तुलसी 50 वर्ष, उसकी पत्नी उर्मिला देवी, पुत्री मिथलेश, पुत्र सर्वेश व ननकऊ घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। जहां से रजपाल को कानपुर रिफर कर दिया गया। कानपुर में इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में उसकी सोमवार को सुबह मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक हुसेनगंज निशिकांत राय ने बताया कि मृतक के भतीजे विनोद कुमार पुत्र छत्रपाल ने पुलिस को तहरीर दी है। साथ ही दोनों पक्षों की ओर से रविवार की शाम को ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

19 पर शान्तिभंग की कार्रवाई

फतेहपुर, ! जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रो के अन्तर्गत आधा दर्जन थानो की पुलिस ने डेढ दर्जन से अधिक लोगो के विरूद्ध 151 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार बकेवर थानाध्यक्ष दो कल्यानपुर दो, किशनपुर तीन, जाफरगंज चार, हथगांव छ, मलवा एक तथा कोतवाली प्रभारी ने एक पर शान्तिभंग के तहत कार्रवाई की है।

मुगलाही में एक कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद की गई बैरिकेडिंग

किराना गली में हो गए तीन कोरोना पॉजिटिव

बिंदकी, फतेहपुर ! नगर में कोरोना वायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है एक और जहां किराना गाड़ी में दो और कोरोना पॉजिटिव केस मिलने के बाद कुल संख्या 3 हो गई है वहीं दूसरी ओर मुगला ही में एक नया कोरोनावायरस पॉजिटिव केस मिलने के बाद बेड कटिंग कर सील कर दिया गया

नगर में कोरोनावायरस संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है जिसके चलते लोग परेशान हैं नगर के सबसे भीड़-भाड़ वाली गली किराना गली में दो और केस निकलने के बाद कोरोना पॉजिटिव केस की संख्या कुल 3 हो गई जिसके चलते सोमवार को सफाई कर एक बार फिर सैनिटाइजेशन कराया गया वहीं दूसरी ओर नगर के मोहल्ला मुगलाई में भी एक कोरोना पॉजिटिव केस मिल जाने के बाद नगर पालिका परिषद के सफाई स्पेक्टर राजेंद्र सिंह तथा कस्बा लेखपाल भान सिंह सफाई नायक रोशन दुबे योगेंद्र पाल धर्मेंद्र सोनकर के साथ पहुंचे और बैरिकेडिंग कर सील करा दिया सफाई कर्मचारियों द्वारा सैनिटाइजेशन भी किया गया लगातार कोरोनावायरस बढ़ने से परेशानियां बढ़ती जा रही है नगर पालिका परिषद के सफाई स्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने आगाह करते हुए कहा कि कोरोनावायरस संख्याओं का सबसे बड़ा उपाय है कि घरों से बाहर ना निकले बहुत आवश्यक होने पर बाहर निकले तो सामाजिक दूरी का पालन करें मास्क लगाएं तथा हाथ भी धुलते रहे !

एनडीआरएफ की टीम ने बारा तहसील, प्रयागराज के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का किया दौरा

प्रयागराज। जिलाधिकारी के निर्देशन में एनडीआरएफ की टीम बाढ़ संभावित इलाकों का दौरा कर रही है एवं बाढ़ सुरक्षा इंतजामों का जायजा ले रही है। इसी कड़ी में एनडीआरएफ की टीम ने बारा तहसील के बाढ़ संभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। तहसील के अधिकारियों के साथ टीम कमांडर जगदीश राणा निरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक मारकंडे यादव और उनकी टीम ने बारा तहसील के देवरिया, भिटा, जसारा, कंजासा, मझियारी आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

2022 में यूपी में सपा की सरकार बनाना लक्ष्य: विपिन यादव

सपा बिंदकी विधानसभा के सेक्टर व बूथ प्रभारियों की हुई बैठक

बिंदकी, फतेहपुर ! समाजवादी पार्टी के बिंदकी विधानसभा के सेक्टर बाबू प्रभारियों की बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार पूरी तरह से फेल साबित हुई है कार्यकर्ता संगठन को और मजबूत करें ताकि आगामी 2022 में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बन सके उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा हत्या लूट बलात्कार की घटनाएं लगातार बढ़ रही है ऐसे में लोग उत्तर प्रदेश की सरकार से तथा साथ में केंद्र सरकार से पूरी तरह से ऊब चुके हैं लोग चाहते हैं कि सत्ता परिवर्तन हो उन्होंने समाजवादी पार्टी के विधानसभा क्षेत्र के सभी सेक्टर और बूथ प्रभारियों के अलावा मौजूद पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील किया कि संगठन को अधिक से अधिक मजबूत करें ताकि पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में बन सके इस मौके पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामेश्वर दयाल दयालु नगर पालिका परिषद के चेयरमैन मुन्ना लाल सोनकर रीता प्रजापति सभासद बेदू गुप्ता चंद्रशेखर बेदी जंग बहादुर सिंह मखलू सुरेंद्र विश्वकर्मा इरफान यारियां महंगू निषाद सहित तमाम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे!

कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने डॉक्टर कफील खान की रिहाई की किया मांग

प्रेस वार्ता में दिया चेतावनी, मांग नहीं पूरी हुई तो शुरू किया जाएगा आंदोलन

बिंदकी, फतेहपुर ! कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर मांग किया है कि गोरखपुर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ कफील खान को रिहा किया जाए वरना कांग्रेस पार्टी के लोग अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा आरोप लगाया किया है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा ईर्ष्या द्वेष भावना से डॉक्टर कफील खान को पिछले 6 महीने से जेल में बंद रखा गया है

सोमवार को नगर के मुगल रोड स्थित डॉ वीरेंद्र कुमार आर्य के आवास पर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई प्रेस वार्ता में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष विनोद द्विवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश योगी सरकार हर मुकाम में पूरी तरह से फेल साबित हो रही है उन्होंने कहा कि इस आदेश के चलते गोरखपुर के प्रसिद्ध सरकारी चिकित्सक डॉ कफील खान को 6 महीने से जेल में बंद रखा गया है अभी भी बंद है प्रदेश सरकार द्वारा ईर्ष्या विद्वेष की भावना से ऐसा कार्य किया गया है जो निंदनीय कार्य है उन्हें रिहा करना चाहिए इस मौके पर कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बाबर खान ने कहा कि यदि डॉ कफील खान को रिहा नहीं किया गया तो अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा उन्होंने कहा कि डॉ कफील खान और योग चिकित्सक है और ऐसी स्थिति में जब कोरोनावायरस संक्रमण तेजी से फैल रहा है ऐसे योग डॉक्टरों का प्रयोग निश्चित रूप से कारगर सिद्ध हो सकता है प्रेस वार्ता में कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सोएब रहमान नाजिम अली पप्पू सत्तार शहीद खान अरुण तिवारी आदि लोग मौजूद रहे!

एडीजी प्रयागराज ने साइकिल से लिया शहर का जायजा

प्रयागराज। दिनांक 10. अगस्त 2020 को अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन प्रेम प्रकाश के द्वारा जनपद प्रयागराज के

रिजर्व पुलिस लाइन से होते हुए बालसन चौराहा, शहीद चंद्रशेखर पार्क तक प्रातःकाल साइकिल से भ्रमण कर शहर की स्थिति का जायजा लिया गया। साथ ही लोगों को स्वस्थ रहकर कोविड-19 महामारी से डटकर लड़ने हेतु जागरूक किया गया।

त्योंथर पूर्वांचल में बिजली विभाग के भ्रष्टाचार से परेशान किसान कर सकते हैं आंदोलन

चाकघाट/रीवा। त्योंथर क्षेत्र के पूर्वी अंचल में स्थित रायपुर सोनौरी विद्युत वितरण केंद्र के प्रभारी अधिकारी सिद्ध मुनि द्विवेदी के क्रियाकलापों से विद्युत उपभोक्ताओं को आए दिन अपमानित होना पड़ता है। बिजली वोल्टेज की कमी, बिजली की मनमानी कटौती एवं जले ट्रांसफार्मर को बदलने के नाम पर की जा रही अवैध वसूली का लगातार किसानो द्वारा विरोध किया जा रहा है। विभाग के उच्चाधिकारियों द्वारा अभी तक कोई सार्थक कार्यवाही नहीं की गई। बताया जाता है कि किसानों को सिंचाई पंप के लिए मात्र ?6 देकर विद्युत कनेक्शन दिए जाने की योजना है, किंतु रायपुर सोनौरी के विद्युत कार्यालय में 3000 से ?5000 तक की वसूली की जा रही है। टी सी कनेक्शन लेने वालों से भी निर्धारित राशि से अधिक राशि की मांग की जाती है। मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मीनारायण से ?5000 लिया गया और उन्हें रसीद मात्र ?3384 का ही दिया गया, उसके बावजूद भी उन्हें अभी तक बिजली का कनेक्शन नहीं दिया गया। उपभोक्ताओं से गाली गलौज की शिकायत वहां से आती रहती है। लोग टीसी कनेक्शन लेने जाते हैं तो उन्हें डराया धमकाया जाता है कि उनके खिलाफ चोरी का प्रकरण बनवा दिया जाएगा, यदि अधिकारी के अनुसार उन्हें मनमाना पैसा नहीं दिया गया तो। इस संदर्भ में भारतीय किसान संघ द्वारा विभाग के जिला कलेक्टर एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया है लेकिन अभी तक कोई सार्थक कार्यवाही न करने से किसानों में असंतोष व्याप्त है। किसानों में विद्युत व्यवस्था को लेकर अभी भी रोष व्याप्त है। भारतीय किसान संघ के संभागीय उपाध्यक्ष रमेश प्रसाद मिश्रा एवं युवा वाहिनी के संभाग प्रमुख नीरज मिश्रा तहसील कार्यकारिणी सदस्य सुग्रीव प्रसाद वर्मा ने बताया है कि विद्युत विभाग की लापरवाही एवं अधिकारियों के शोषण पूर्ण रवैया से किसानों को समय पर विद्युत कनेक्शन नहीं मिल पा रहा है। बिजली बिल में भारी गड़बड़ी की जा रही है?। परेशान किसानों को पर्याप्त बिजली एवं वोल्टेज ना मिल पाने के कारण खेतों में खड़ी फसल भी सूख रही है। किसानों को हो रही फसल की भारी क्षति को लेकर किसानों में अभी भी आक्रोश व्याप्त है। यदि विद्युत वितरण केंद्र में व्याप्त लापरवाही एवं भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की गई तो सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए क्षेत्र के किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस संदर्भ में जब रायपुर जे ई से से दूरभाष पर संपर्क करना चाहा तो उनसे संपर्क नहीं हो सका जिससे उनका पक्ष नहीं लिया जा सका है।

भूमि एवं सम्पत्तियों की मूल्यांकन सूची के प्रकाशन के सम्बंध में 25 अगस्त तक आपत्ति दर्ज कराये

प्रयागराज। अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व एम0पी0 सिंह ने बताया है कि जनपद प्रयागराज की समस्त तहसीलों से सम्बंधित भूमि एवं सम्पत्तियों की मूल्यांकन सूची वर्ष-2020-21 अनन्तिम रूप से प्रकाशित कर दी गयी है। सम्बंधित तहसील, उप निबंधक, सहायक महानिरीक्षक, निबंधन एवं जिला निबन्धन, प्रयागराज के कार्यालय तथा नोटिस बोर्ड पर निरीक्षण/अवलोकन हेतु उपलब्ध है, जिस किसी को इस सम्बंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित रूप से 15 दिवसों के भीतर अर्थात दिनांक 11.08.2020 से दिनांक 25.08.2020 को सायंकाल 05ः00 बजे तक सम्बंधित उप निबंधन, उप जिलाधिकारी, सहायक महानिरीक्षक, निबन्धन एवं जिला निबन्धन/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। दिनांक 25.08.2020 की सायं 05ः00 बजे के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। नियत अवधि के अन्दर यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा अनन्तिम मूल्यांकन सूची वर्ष-2020-21 पर आपत्ति प्रस्तुत कर व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर चाहा गया है तो वह दिनांक 26.08.2020 को अपरान्ह में 02:00 बजे से 04:00 बजे के मध्य मूल्यांकन सूची संशोधन हेतु अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व, अथवा सहायक महानिरीक्षक निबंधन, प्रयागराज के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति के सम्बंध में तर्क/साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कोविड-19 की समीक्षा की

प्रयागराज। कोविड अस्पतालों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण रूप से रहें सुनिश्चित मोबाइल टीमों के द्वारा बड़े गांवों एवं कस्बों में परीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाये होम आइशोलेशन के मानक का कड़ाई से हो अनुपालन सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित करते हुए पात्र लोगो को किया जाये लाभान्वित राशन वितरण कार्यक्रम के तहत सभी पात्रों को मानक के अनुसार राशन उपलब्ध हो राशन वितरण में अनियमितता एवं उदासीनता बरतने वाले के विरूद्ध की जाये कड़ी कार्रवाई- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को सर्किट हाउस के सभागार में कोविड-19 की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने एवं अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए की गयी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी के द्वारा अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए की गयी व्यवस्थाओं एवं कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में जांच के लिए कुल 12 सेंटर बनाये गये है, इसके साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जांच की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाइल टीम के द्वारा बड़े-बड़े गांवों एवं कस्बों में जांच की कार्यवाही की जाये, जिससे कि अधिक से अधिक लोगो का परीक्षण हो सके और कोरोना के लक्षण वालें मरीजों को चिन्हित कर उनकी जांच करते हुए पॉजीटिव पाये जाने वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराये, जिससे कि संक्रमण को अधिक से अधिक रोका जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना से ठीक हुए लोगो को प्रेरित करें कि वे लोगो को कोरोना वायरस के बारे में बताये कि कोरोना वायरस से घबड़ाने की जरूरत नहीं है। समय से जांच कराने पर आसानी से व्यक्ति ठीक हो जाता है। लोगो को इस बात के लिए जागरूक किया जाये कि यदि उनके अंदर किसी प्रकार के लक्षण हो तो वो स्वंय अस्पताल आकर अपना परीक्षण करायें।

उप मुख्यमंत्री ने कोविड अस्पतालों में वेंटिलेंटर, बेड तथा मरीजों के खाने-पीने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये, इसकी मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होंने जनपद में 100 अतिरिक्त वेंटिलेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि कोविड अस्पताल में प्रति मरीज कितना व्यय किया जाता है, इसकी भी जानकारी लोगो को रहे। उन्होंने एल-1 एल-2 एवं एल-3 अस्पतालों में बेडों की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि कोविड अस्पतालों में विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रहें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड अस्पताल के रूप में चिन्हित प्राइवेट अस्पताल में प्रति मरीज कितना चार्ज निर्धारित है, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये, जिससे कि प्राइवेट अस्पताल लोगो से मनमानी ढंग से चार्ज न कर सके। उप मुख्यमंत्री ने होम आइशोलेशन की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि होम आइशोलेशन के लिए निर्धारित मानको का कड़ाई से अनुपालन किया जाये तथा हॉट स्पाट के लिए निर्धारित मानक के अनुसार ही स्थानों को प्रतिबंधित किया जाये न कि अधिक। उप मुख्यमंत्री ने कंट्रोल रूम की क्रियाशीलता के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में लोगो के द्वारा जो भी शिकायतें दर्ज करायी जाये, उनका प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाये। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम भावना के साथ कार्य करते हुए पूर्ण प्रयास किया जाये कि किसी भी व्यक्ति की कोरोना के कारण मृत्यु न होने पाये। उप मुख्यमंत्री ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर साफ-सफाई एवं सैनेटाइजेशन की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को दिया है। उन्होंने चलाये जा रहे ''गन्दगी भारत छोड़ों अभियान'' के तहत ''गन्दगी प्रयागराज छोड़ों अभियान'' चलाये जाने का निर्देश दिया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित करते हुए पात्र लोगो को लाभान्वित कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पायें। राशन वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राशन वितरण कार्यक्रम के तहत सभी पात्रों को मानक के अनुसार अनिवार्य रूप से राशन उपलब्ध कराया जाये। उन्होंने कहा कि राशन वितरण में अनियमितता या लापरवाही बरतने वाले लोगो के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाये। बैठक में सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष-श्रीमती रेखा सिंह, विधायक शहर उत्तरी-हर्षवर्धन वाजपेयी, मा0 विधायक कोरांव-राजमणि कौल, सांसद इलाहाबाद के प्रतिनिधि के तौर पर श्री मनु कक्कड़, जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित, नगर आयुक्त- रवि रंजन, मुख्य विकास अधिकारी-आशीष कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी जी0एस0 वाजपेयी सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारीगण एवं अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

असीम पर संकीर्णता के नियंत्रण का प्रयास?

अपने ही देश में श्रीराम जन्म भूमि पूजन के आयोजन के इस ऐतिहासिक क्षण में संघ व भाजपा ने अपना एकाधिकार जताने की कोशिश की है उसकी सर्वत्र आलोचना की जा रही है। बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी हो या मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ए आई आई एम एम, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हो या विश्व हिन्दू परिषद् अथवा भाजपा इनमें से किसी भी संघ, संस्था अथवा दल को किसी भी धर्म या समाज का समग्र प्रतिनिधि संगठन नहीं माना जा सकता। आज देश का किसी भी धर्म या जाति के सभी लोग पूरी तरह से किसी एक संगठन से जुड़े नहीं हैं। पूरे विश्व के श्रीराम भक्तों, राम प्रेमियों, भगवान राम के मानने व न मानने वालों,आस्तिकों व नास्तिकों सभी धर्मों व जातियों तथा संसार के समस्त देशों के समस्त देशवासियों तथा समस्त जीव जंतुओं को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के तीसरे परन्तु संभवतः अंतिम शिलान्यास की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। गत 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का भूमि पूजन कर इसकी आधार शिला रखी गयी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के अतिरिक्त जो अन्य चार अति विशिष्ट हस्तियां शिलापूजन मंचासीन रहीं वे थीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, तथा राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण ट्रस्ट के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी एक विशिष्ट अतिथि को तौर पर यहां मौजूद रहे और प्रधानमंत्री के साथ उपस्थित अतिथियों को संबोधित भी किया। देश-विदेश में इस बहुप्रतीक्षित मंगल दिवस का सभी भारतवासियों द्वारा स्वागत किया गया। देश ने भी चौन की सांस ली क्योंकि दशकों से मंदिर-मस्जिद विवाद को लेकर दिन-प्रतिदिन जो साम्प्रदायिक वैमनस्य बढ़ता जा रहा था और विभिन्न राजनैतिक दल जिस अयोध्या मुद्दे को समय-समय पर अपने वोट के रूप में भुनाते रहते थे कम से कम राम मंदिर के नाम पर चलने वाली नेताओं की उस दुकानदारी पर तो विराम लग गया।

परन्तु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने वाला निर्णय सुनाने के बाद जिस तरह श्रीराम जन्म भूमि मंदिर के भूमि पूजन के आयोजन को संगठन व दल विशेष की देखरेख में तथा उसी की योजनानुसार संपन्न किया गया उसे लेकर बड़े पैमाने पर आलोचना के स्वर उठ रहे हैं। उम्मीद की जा रही थी कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंदिर निर्माण के पक्ष में फ़ैसला आने के बाद भूमि पूजन व आधार शिला रखने का कार्यक्रम दुनिया को यह सन्देश दे सकेगा कि भगवान राम भारत के लोगों के लिए एक ऐसे निर्विवादित महापुरुष हैं जिनके प्रति सभी के मन में बराबर आदर व सम्मान है। रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से विशेष अतिथि के रूप में पहला न्योता, अदालतों में बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी को देकर तथा पद्मश्री पुरस्कार के लिए नामित फैजाबाद निवासी शरीफ चचा को भूमि पूजन में सबसे पहला निमंत्रण देकर कर निश्चित रूप से मंदिर निर्माण ट्रस्ट ने इस विषय पर अब तक फैलाई जा चुकी साम्प्रदायिक दुर्भावना को विराम लगाने की कोशिश तो जरूर की। परन्तु इसके बावजूद केंद्र सरकार द्वारा गठित ट्रस्ट ने ऐसे अनेक निर्णय लिए जो मंदिर निर्माण की शुरुआत की खुशी होने के बावजूद देश के एक बड़े वर्ग को रास नहीं आए। उदाहरण के तौर पर इस अवसर पर सभी धर्मों के एक एक शीर्ष धर्मगुरुओं को भी यदि आमंत्रित किया गया होता तो ज्यादा बेहतर था। यदि यह संभव नहीं हो सका तो हिन्दू धर्म की ही सभी जातियों के प्रतिनिधियों को तो जरूर शामिल होना चाहिए था? चारों शंकराचार्य का आयोजन में शरीक न होना भी देश के लोगों के गले नहीं उतरा। देश यह भी नहीं जान सका कि यदि प्रधानमंत्री की उपस्थिति जरूरी थी तो राष्ट्रपति की क्यों नहीं? यह भी नहीं तो कम से कम प्रत्येक राजनैतिक दलों के एक-एक प्रतिनिधियों को ही शामिल कर राम को लेकर एकता का सन्देश दिया जा सकता था? इंतेहा तो यह रही कि लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेता जिन्होंने राम जन्म भूमि आंदोलन को गति दी तथा जिनके राजनैतिक प्रयासों से भाजपा आज इस स्थान तक पहुंची है, उन्हें भी इस आयोजन में सम्मानित अतिथि का स्थान देना मुनासिब नहीं समझा गया? मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ नेता व जन्म भूमि आंदोलन के नायक को भी इस समारोह में दरकिनार रखा गया? राम जन्म भूमि आंदोलन के फ़ायर ब्रांड नेता परवीन तोगड़िया को तो जैसे संघ व भाजपा ने भुला ही दिया? देश के विशेषकर अयोध्या के आसपास के क्षेत्रों के उन कारसेवकों को भी इस बात का काफ़ी मलाल रहा कि वे उस आयोजन के साक्षी न रह सके जिसमें उन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था।

इस आयोजन को सर्वधर्म, सर्वजातीय, सर्वदलीय आयोजन के बजाय ठीक इसके विपरीत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद् व भाजपा का आयोजन बनाकर संकीर्ण सोच का परिचय दिया गया। भगवान राम पर अपना एकाधिकार जताने वालों पर ही निशाना साधते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता व मंदिर आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली उमा भारती को कहना पड़ा कि राम के नाम पर बीजेपी का पेटेंट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि राम के नाम पर किसी का पेटेंट नहीं हो सकता है। राम का नाम अयोध्या या बीजेपी के बाप की बपौती नहीं है। ये सबकी है, जो बीजेपी में हैं या नहीं हैं। जो किसी भी धर्म को मानते हों, जो राम को मानते हैं, राम उन्हीं के हैं। उमा भारती ने यह भी कहा कि श्रामश् पर जिस तरह का एकाधिकार जताया जा रहा है वह अहंकार है। नरेंद्र मोदी ने मई 2014 में जब पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी उस समय उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित कर यह सन्देश देने की कोशिश की थी कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाए रखने का इच्छुक है। पूरे विश्व ने नरेंद्र मोदी की इस दूरदर्शी राजनीति को सराहा भी था। परन्तु जिस प्रकार अपने ही देश में श्रीराम जन्म भूमि पूजन के आयोजन के इस ऐतिहासिक क्षण में संघ व भाजपा ने अपना एकाधिकार जताने की कोशिश की है उसकी सर्वत्र आलोचना की जा रही है। बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी हो या मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ए आई आई एम एम, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हो या विश्व हिन्दू परिषद् अथवा भाजपा इनमें से किसी भी संघ, संस्था अथवा दल को किसी भी धर्म या समाज का समग्र प्रतिनिधि संगठन नहीं माना जा सकता। आज देश का किसी भी धर्म या जाति के सभी लोग पूरी तरह से किसी एक संगठन से जुड़े नहीं हैं। इसलिए भगवन राम हों या किसी भी धर्म के कोई भी महापुरुष या अवतारी पुरुष किसी पर किसी व्यक्ति, संस्था या दल का एकाधिकार नहीं हो सकता। यहां मैं अपनी बात के समर्थन में कुंवर महेंद्र सिंह बेदी की उन चार लाइनों को उद्धृत करना चाहूंगा जो उन्होंने मुस्लिम बाहुल्य देश दुबई के उस मुशायरे में पढ़ी थीं जहां 95 फीसदी श्रोता मुस्लिम थे। और उनके इस कलाम को सुनकर पूरा ऑडोटेरियम तालियों की गड़गड़ाहट से देर तक गूंजता रह गया था।

सम्पादकीय

आ गया कर्ज चुकाने का वक्त

कर्ज की किस्तों और क्रेडिट कार्ड के बिल भरने का वक्त फिर शुरू हो रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने इन दोनों के भुगतान पर लगी छूट नहीं बढ़ाने का फैसला कर लिया है। इस छूट या मोरेटोरियम की सीमा अगस्त के अंत तक चलेगी और फिर खत्म हो जाएगी। सितंबर से फिर ईएमआई भरने का मौसम आ रहा है। कर्ज लेकर फंसे लोगों के लिए यह डरावनी खबर है। खासकर उन लोगों के लिए, जिनकी नौकरी गई, कामकाज ठप हुआ, कमाई कम हो गई। लेकिन बैंकों के लिए यह राहत की खबर है और शेयर बाजार भी इसे खुशखबरी मान रहा है। आर्थिक विशेषज्ञ और बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोग पिछले कुछ समय से मांग कर रहे थे कि कर्ज की किस्तें न चुकाने की छूट-सीमा अब आगे न बढ़ाई जाए। एचडीएफसी के चेयरमैन दीपक पारेख ने तो सीधे रिजर्व बैंक के गवर्नर से ही कहा था कि मोरेटोरियम आगे बढ़ाना महंगा पड़ेगा। उनका कहना था कि जो लोग कर्ज चुका सकते हैं, वे भी अभी नहीं चुका रहे हैं। इससे बैंकों और खासकर छोटी एनबीएफसी कंपनियों पर दबाव बढ़ रहा है। मौद्रिक नीति के ठीक पहले ऐसी ही बात रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने भी कही। राजन ने आंध्र प्रदेश की माइक्रो फाइनेंस कंपनियों का उदाहरण देते हुए कहा कि जब आप लोगों से कह देते हैं कि किस्तें मत भरो, तो नियम से किस्त देने की उनकी आदत छूट जाती है। फिर वे इसके लिए पैसे नहीं बचाते हैं और इस वक्त बचाने की हालत में भी नहीं हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में करीब 55 करोड़ कामगारों पर कोरोना का असर पड़ा है। सीएमआईई के अनुसार, मार्च-अप्रैल में ही 12 करोड़ से ज्यादा लोग बेरोजगार हो चुके थे, इसके अलावा 3.5 करोड़ से ज्यादा नौजवान कोर्स खत्म कर रोजगार की तलाश में हैं। खैर, राजन की बात से ही आगे बढ़ें, तो आरबीआई को यह भी साफ दिख रहा था कि अगर छूट न बढ़ाई गई और लोगों पर फिर किस्तें भरने का दबाव डाला गया, तो बहुत सारे लोग और कारोबार मुसीबत में आ जाएंगे। राकेश भारती मित्तल जैसे बड़े उद्योगपति ने दीपक पारेख के सामने ही उसी बैठक में आरबीआई के गवर्नर से कहा कि मोरेटोरियम बढ़ाना चाहिए। दूसरी तरफ, बैंकरों का दबाव था कि अगर मोरेटोरियम बढ़ाया गया, तो दोहरी समस्या पैदा होगी। एक तरफ, कर्ज देने वाले बैंकों, कंपनियों पर यह दबाव है कि उनका पैसा लौट नहीं रहा और दूसरा, यह पता नहीं चलेगा कि जो लोग आज किस्त नहीं भर रहे, उनमें से कितने ऐसे हैं, जो यह मियाद खत्म होने के बाद भी कर्ज चुकाने की हालत में नहीं होंगे। यानी कितना कर्ज डूबने या एनपीए होने वाला है, इसका हिसाब भी तब तक नहीं लग सकता, जब तक कि वापस कर्ज का भुगतान शुरू न हो जाए। होम लोन की मुसीबत कितनी बड़ी है, इसका हिसाब अभी संभव नहीं है। देश की सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी ने अपने तिमाही हिसाब में लगभग 1,200 करोड़ रुपये की रकम खतरे की आशंका में अलग रख दी है। यानी इतने नुकसान तक की तैयारी है। याद रखना चाहिए कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट में कुछ ही समय पहले रिजर्व बैंक ही यह चेतावनी दे चुका है कि इस वित्त वर्ष के अंत तक बैंकों के कर्ज डूबने का डर बहुत ज्यादा है और मार्च के अंत में जो एनपीए का अनुपात 8.5 प्रतिशत पर था, अगले साल मार्च के अंत तक कम से कम 12.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। हालात और बिगड़े, तो 14.7 प्रतिशत तक जा सकता है। सरकारी बैंकों के मामले में यह आंकड़ा कम से कम 15.2 प्रतिशत रहने की आशंका है। रिजर्व बैंक को बैंकों की सेहत भी देखनी थी और ग्राहकों या कर्जदारों का हाल भी। फैसला आसान नहीं था, लेकिन बैंकों को छूट दे दी गई है कि वे कर्जों का पुनर्गठन कर सकते हैं। जो लोग कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं, वे बैंक से बात करके अपने कर्ज की किस्त, मियाद या ब्याज दर बदलवा सकते हैं। यह पहला मौका है, जब रिजर्व बैंक ने उपभोक्ता ऋण, आवास ऋण और छोटे व्यापारियों के लिए ऐसी सुविधा दी है। पहले यह सुविधा सिर्फ ऐसे बड़े लोगों को मिलती थी, जिन पर बैंक प्रबंधन या कोई ताकत मेहरबान होती थी। आप जितने बड़े-बड़े कर्ज घोटाले सुनते आ रहे हैं, वे बड़े-बड़े कर्जों के पुनर्गठन का नतीजा हैं। क्या अब यही रास्ता आम लोगों के लिए भी खुल गया है? यानी आप और हम अपने कर्ज चुकाए बिना गुल हो सकते हैं? कंज्यूमर लोन या होम लोन के मामले में नहीं, मगर व्यापारियों के कर्ज के मामले में यह सवाल जायज है। आरबीआई यह जोखिम नहीं लेना चाहता था, और उसने इतिहास से सबक लेकर इंतजाम किया कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। ताजा मौद्रिक नीति में साफ-साफ कहा गया है कि जिन लोगों को एक बार अपने कर्ज की शर्तें बदलने का मौका दिया जाएगा, वे सिर्फ वही होंगे, जो कोरोना की वजह से संकट में पड़े हैं। आम आदमी के मामले में यह पता लगाना भी आसान है। इसीलिए आईसीआईसीआई बैंक के पूर्व चेयरमैन के वी कामत की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है, जो तय करेगी कि किस कारोबार या सेक्टर के लिए किस आधार पर फैसला किया जाएगा।

अभिनेता सुशांत की मौत से उठे सवाल

देश के एक उभरते फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की दुखद परिस्थितियों में मौत के मामले की गुत्थी अभी तक नहीं सुलझी है. केंद्र सरकार ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच सीबीआइ से कराने की बिहार सरकार की सिफारिश मान ली है. इससे पहले महाराष्ट्र पुलिस का जांच को लेकर कैसा रवैया रहा, यह हम सब के सामने है. बिहार सरकार की पहल के बाद ही इस मामले में जांच आगे बढ़ी है. सुशांत बिहार-झारखंड के सबसे उभरते अभिनेता थे. शत्रुघ्न सिन्हा के बाद इस इलाके के कई अभिनेता बॉलीवुड में चमके, लेकिन इतना बड़ा स्टार सामने नहीं आया था. बेहद दुखद परिस्थितियों में उनकी मौत हो गयी. उम्मीद की जा रही है कि सीबीआइ जांच से उनकी मौत के राज से पर्दा उठेगा. वजह जो भी हो, जो अब तक की सूचनाएं सामने आयीं हैं, उनसे लगता है कि सुशांत अवसाद से ग्रसित थे. सुशांत की आत्महत्या ने बॉलीवुड पर ढका ग्लैमर का पर्दा उठा दिया है. पिछले कुछ महीनों में मनोरंजन उद्योग में हुई आत्महत्याओं को जान कर आप अचंभित रह जायेंगे. 25 जनवरी को टीवी अभिनेत्री सेजल शर्मा ने आत्महत्या कर ली. इसके बाद 16 मई को अभिनेता मनमीत ग्रेवाल, 27 मई को टीवी एक्टर प्रेक्षा मेहता, 14 जून को फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत, 26 जून को टिकटॉक स्टार सिया कक्कड़, 3 जुलाई को टिकटॉक स्टार संध्या चौहान, 8 जुलाई को कन्नड़ टीवी स्टार सुशील गौड़ा, 29 जुलाई को मराठी फिल्म अभिनेता आशुतोष भाखरे, 2 अगस्त को भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री अनुपमा पाठक और 6 अगस्त को टीवी एक्टर समीर शर्मा ने आत्महत्या कर ली. इन घटनाओं से लगता है कि मनोरंजन उद्योग मानसिक अवसाद की बड़ी समस्या से जूझ रहा है. दरअसल, अवसाद नये दौर की महामारी के रूप में उभरा है. किसी भी समाज के लिए यह बेहद चिंताजनक स्थिति है. कोई शख्स आत्महत्या को आखिरी विकल्प क्यों मान रहा है? सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद पर भी बहस चल रही है. इसे अवसाद की मुख्य वजह बताया जा रहा है. इसको लेकर कुछ कलाकार खुल कर अपनी बातें रख रहे हैं. अभिनेत्री कंगना रनौत ने कई गंभीर आरोप लगाये हैं. इस बहस में चेतन भगत जैसे लेखक भी कूदे हैं और जाने-माने संगीतकार एआर रहमान ने भी इस बात की ओर इशारा किया है. हाल ही में एक इंटरव्यू में एआर रहमान ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उन्होंने केवल पांच फिल्मों में ही संगीत दिया है. वे कभी अच्छी फिल्मों को न नहीं कहते हैं, लेकिन बॉलीवुड में एक गैंग है, जो उनके खिलाफ झूठी अफवाहें फैला रहा है. लोग उनसे उम्मीद करते हैं कि वे अच्छा काम करें, लेकिन लोगों का एक गिरोह है, जो ऐसा नहीं होने दे रहा है. दूसरी ओर, जाने-माने लेखक चेतन भगत ने दावा किया है कि फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा ने उन्हें आत्महत्या करने के लिए लगभग मजबूर कर दिया था. चेतन भगत ने चोपड़ा की पत्नी और फिल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा को एक जवाबी ट्वीट किया - मैडम, जब आपके पति ने मुझे सबके सामने धमकाया था और बेशर्मी से मेरा सारा क्रेडिट खुद ले लिया था, मेरे कहे जाने पर भी मुझे फिल्म 3ईडियट्स में क्रेडिट देने से इनकार कर दिया था और मुझे आत्महत्या तक करने के लिए मजबूर कर दिया था, उस समय आप सिर्फ तमाशा देख रही थीं. ऐसा नहीं है कि मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों ने पहले कभी आत्महत्याएं नहीं की हों. यदा-कदा ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, लेकिन इसमें अचानक तेजी आयी है और यह प्रवृत्ति बढ़ी है. पुराने मामलों पर नजर दौड़ाएं, तो दिसंबर, 2019 में फिल्म और टीवी अभिनेता कुशल पंजाबी ने आत्महत्या कर ली थी. वे अवसादग्रस्त थे. मार्च, 2017 में जाने-माने अभिनेता जितेंद्र के चचेरे भाई नितिन कपूर ने एक बिल्डिंग से कूद कर जान दे दी थी. नितिन ने दक्षिण की एक अभिनेत्री जयासुधा से शादी की थी और वे भी अवसाद से ग्रसित थे. टीवी सीरियल बालिका वधू में आनंदी के रोल से चर्चित हुई अभिनेत्री प्रत्यूशा बनर्जी ने 2016 में अपने एपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली थी. 2015 में तेलुगू फिल्मों के जाने-माने अभिनेता रंगनाथ ने खुदकुशी कर ली थी. उन्होंने लगभग 300 फिल्मों में काम किया था. 2013 में युवा अभिनेत्री जिया खान ने आत्महत्या कर ली थी. जिया ने निशब्द और गजनी जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया था. पिछले साल जानी-मानी विज्ञान पत्रिका लैंसेट में 2017 में किये गये एक अध्ययन को प्रकाशित किया था, जिसके अनुसार सात में से एक भारतीय किसी-न-किसी तरह के मानसिक अस्वस्थता से ग्रसित है.

हाल में देश में किये एक अध्ययन के अनुसार कोरोना महामारी और लॉकडाउन से भारतीयों में तनाव बढ़ा है. लगभग 10 हजार भारतीयों पर यह जानने के लिए सर्वेक्षण किया गया कि वे कोरोना वायरस से उत्पन्न परिस्थिति का किस तरह से सामना कर रहे हैं. अध्ययन में शामिल 26 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे हल्के अवसाद से ग्रस्त हैं, जबकि 11 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे काफी हद तक अवसाद से ग्रस्त हैं, वहीं 6 प्रतिशत लोगों ने अवसाद के गंभीर लक्षण होने की बात स्वीकार की. मेरा मानना है कि आत्महत्या से बड़ा कोई अपराध नहीं है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में लगभग आठ लाख लोग हर साल आत्महत्या कर लेते हैं. ऐसा नहीं है कि केवल निराशा और अवसाद से पीड़ित भारत में ही हों. सबसे विकसित देश अमेरिका में सबसे अधिक लोग अवसाद पीड़ित हैं, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि पीड़ित लोगों में से केवल आधे लोगों का इलाज हो पाता है. आत्महत्या की एक बड़ी वजह आर्थिक परेशानी पायी गयी है. हमारे पूर्वजों ने वर्षों के अध्ययन और मनन के बाद एक बात कही थी, तेते पांव पसारिये, जेती लांबी सौर यानी जितनी चादर है, उतने ही पैर फैलाएं, लेकिन हम इस जीवन-दर्शन को भूल गये हैं और आर्थिक चकाचौंध में फंस गये हैं. अब हम उधार लेकर घी पीने के विदेशी चिंतन के मायाजाल में फंस गये हैं. जाहिर है कि ऐसी परिस्थिति में जीवन में ऐसे अनेक अवसर आयेंगे, जब व्यक्ति आर्थिक कारणों से तनाव का शिकार होगा. यह सही है कि मौजूदा दौर की गलाकाट प्रतिस्पर्धा के कारण लोगों को जीवन में भारी मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है और वे अवसाद में चले जाते हैं. कई लोग संघर्ष करने के बजाये हार मान कर आत्महत्या का सहज रास्ता चुन लेते हैं. यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि परीक्षा अथवा प्रेम में असफल होने, नौकरी छूटने अथवा बीमारी जैसी वजह से भी लोग आत्महत्या कर लेते हैं. सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में अवसाद को बीमारी नहीं माना जाता. इलाज तो दूर, पीड़ित व्यक्ति की मदद करने के बजाये लोग उसका उपहास उड़ाते हैं. कई बार तो पढ़े-लिखे लोग भी झाड़-फूंक के चक्कर में फंस जाते हैं. दरअसल, भारत में परंपरागत परिवार का तानाबाना टूट गया है. व्यक्ति एकाकी हो गया है. यही वजह है कि अनेक लोग अवसादग्रस्त हो जाते हैं और आत्महत्या जैसे अतिरेकी कदम उठा लेते हैं.

बढ़ती कीमत से सोने में निवेश की होड़

बीते सप्ताह सोने के दाम दो हजार डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गये. हालांकि बाद में इसमें मामूली गिरावट आयी है, पर अभी भी यह इस स्तर से ऊपर है, जो कि एक रिकॉर्ड है. जेपी मॉर्गन चेज के मुताबिक, 2020 में अब तक सोने के भाव में 27 फीसदी का उछाल आ चुका है और साल के अंत तक इस बढ़त में कमी आने की संभावना है, लेकिन इस बात से गोल्डमैन सैच, सिटीग्रुप और बैंक ऑफ अमेरिका सहमत नहीं हैं और उनका मानना है कि बढ़त आगे भी बनी रह सकती है. बैंक ऑफ अमेरिका का तो यहां तक कहना है कि अगले साल कभी सोने की कीमत प्रति औंस दर तीन हजार डॉलर को भी पार कर सकती है. अप्रैल में इस बैंक ने अनुमान लगाया था कि तीन हजार डॉलर की दर डेढ़ साल में हो जायेगी और अभी भी वह इस अनुमान पर टिका हुआ है. गोल्डमैन सैच ने अपने बारह माह के अनुमान को बढ़ा कर 2300 डॉलर कर दिया है.

अनुमानों में जो भी अंतर हों, अमेरिका और दुनिया के कुछ बड़े बैंकों को आगामी महीनों में दरों में उछाल की उम्मीद है, जो अगले साल भी बनी रह सकती है. सोने के दाम में मौजूदा बढ़त की शुरुआत पिछले साल के मध्य में तब हुई थी, जब अमेरिका के फेडरल रिजर्व बैंक ने बाजार को संकेत दिया था कि अमेरिकी ब्याज दरों में आगे भी कटौती की जायेगी. इसका कारण था- डॉलर में गिरावट का डर तथा मुद्रास्फीति की आशंका. यह पृष्ठभूमि दुनियाभर में व्यापार युद्धों, खासकर सबसे अहम अमेरिका और चीन के बीच, को और गंभीर बना रही है. यह स्थिति सितंबर, 2011 के घटनाक्रम की तरह है, जब अमेरिका में वित्तीय राहत जारी रखने के मसले पर चर्चा गर्म हो गयी थी. चूंकि अर्थव्यवस्था में अतिरिक्त पैसा डाला जा रहा था, सो कीमतों में बढ़ोतरी की आशंकाएं भी बनी हुई थीं. वृद्धि के आंकड़े भी बहुत उत्साहवर्द्धक नहीं थे और अमेरिका के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) के लंबे समय तक पटरी पर बने रहने के आसार भी नजर नहीं आ रहे थे. इस वजह से पिछले वर्ष के मध्य से सरकार के वित्तीय हस्तक्षेप को लेकर बहस भी चली तथा व्यापार युद्ध की वजह से वृद्धि में गिरावट का भय भी पैदा हुआ. मुद्रास्फीति की आशंका तो बनी ही हुई थी. इस माहौल का नतीजा हुआ कि हर तरह के पैसे को सोने और डॉलर में बदला जाने लगा.अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व मुद्रा और निवेश हेतु सुरक्षित विकल्प माना जाता है. इन्हीं कारणों से दूसरा सुरक्षित विकल्प सोना है. सोने का मूल्य ऊपर-नीचे हो सकता है, लेकिन यह कभी भी ऋणात्मक क्षेत्र में नहीं जा सकता है क्योंकि पूरी दुनिया में उसकी कुल आपूर्ति एकसमान स्तर पर बनी रहती है. किसी परियोजना या स्टॉक बाजार में निवेशित धन की कीमत संकट के समय बहुत अधिक गिर सकती है, पर सोने में ऐसा नहीं होता. इस वजह से समझदार निवेशक संकट की आशंका होने पर सोने में निवेश करते हैं ताकि वित्तीय जोखिम कम-से-कम रहे. इस साल कोरोना महामारी ने आशंकित संकट को एक दीर्घकालिक तबाही में बदल दिया है. संक्रमण से प्रभावित दुनिया के अधिकतर देशों की सरकारों को इस आपातकाल में वित्तीय मदद देनी पड़ रही है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने आर्थिकी में पैसा डालने के अपने कार्यक्रम में डेढ़ ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि की है. उसके बाद 500 अरब डॉलर और डाले गये हैं. यह मार्च में ही हुआ है. मार्च और अप्रैल में अमेरिकी सरकार ने तीन वित्तीय राहत उपायों की घोषणा की. इस तरह से यह पूरा पैकेज 2.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है. स्वाभाविक रूप से वित्तीय तंत्र में इतनी भारी रकम की आमद ने मुद्रास्फीति की आशंकाओं को बल दिया. इन पैकेजों से निवेशकों की नजर में डॉलर की स्थिति को भी कमजोर किया है. ब्याज दरों के लगभग शून्य होने के कारण पहले से ही डॉलर में जमा रकम पर आमदनी बहुत कम थी. ऐसी आशंका है कि आर्थिक व वित्तीय स्थिति और बिगड़ने तथा मुद्रास्फीति बढ़ने से डॉलर में जमा परिसंपत्तियां निकट भविष्य में ऋणात्मक हो सकती हैं. ऐसे में सुरक्षित निवेश के विकल्प में सोना ही बचता है, जिसके दाम पिछले साल के मध्य से ही बढ़ते जा रहे हैं. इन सभी कारकों की वजह से हम हाल के दिनों में सोने में भारी उछाल देख रहे हैं. सबसे अहम सवाल निवेशक के दिमाग में यह है कि क्या आगे भी कीमतें बढ़ती रहेंगी. जिन निवेशकों ने पिछले साल या इस साल के शुरू में सोने में निवेश किया है, वे सबसे सुरक्षित स्थिति में हैं. आगे जो भी हो, उनका धन सुरक्षित रहेगा क्योंकि दाम में तुरंत बड़ी कमी की संभावना नहीं है. जो अब सोना खरीदना चाहते हैं, वे बड़ी ऊहापोह में हैं. यदि बड़े बैंकों और एजेंसियों की भविष्यवाणियों को मानें, तो वे अभी भी सोने में निवेश कर सकते हैं और आगे कमाई कर सकते हैं. लेकिन यदि दाम नहीं बढ़े, तो अब सोने का रुख करना घाटे का सौदा हो सकता है. कम पूंजी के खुदरा निवेशकों के लिए जोखिम ज्यादा है, इसलिए उन्हें बहुत सोच-समझ कर ही कदम उठाना चाहिए और कुछ ही निवेश सोने में करना चाहिए.

भारतीय दिग्गज का दावा

आरसीबी के लिए खेले हैं जीनियस खिलाड़ी, लेकिन नहीं दिखा परिणाम

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम में पिछले कुछ वर्षों में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शामिल रहे हैं, लेकिन टीम ने अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब नहीं जीता है। आरसीबी की टीम तीन बार फाइनल जरूर खेल चुकी है, लेकिन फिनिशिंग लाइन को पार नहीं कर पाई है। ऐसे में भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज और क्रिकेट एक्सपर्ट संजय मांजरेकर का मानना है कि बड़े नामों के होने के बावजूद ऋष्क को ज्यादा सफलता नहीं मिली है। विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल, मिचेल स्टार्क, अनिल कुंबले, डेनियल विटोरी और कई अन्य महान क्रिकेटरों ने आरसीबी की जर्सी पहनी है, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात रहा है। यहां तक कि भारत को विश्व कप जिताने वाले कोच गैरी कर्स्टन भी टीम के साथ जुड़े रहे हैं, लेकिन टीम खिताब से दूर ही रही है। 2020 के लिए नीलामी में आरसीबी ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच को अपनी टीम में शामिल किया है। अब देखना ये है कि क्या नतीजा बदलेगा? संजय मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में कहा है, हमने हमेशा ये कहा है कि कुछ खिलाड़ी शुरुआत में टीम से नहीं जुड़ते हैं, लेकिन जब जुड़ जाते हैं तो फिर बात ये रह जाती है कि आप कितने लंबे समय तक खेलते हैं। उनके पास टीम में प्रतिभाशाली ही नहीं, बल्कि महान खिलाड़ी भी हैं और इसके बावजूद हमने विजयी परिणाम नहीं देखा। अब आइपीएल यूएई में होगा। ऐसे में मांजरेकर का मानना है कि युजवेंद्र चहल, वॉशिंगटन सुंदर और पवन नेगी की स्पिन गेंदबाजी कमाल दिखा सकती है। मांजरेकर ने कहा है, मैं स्पिन विभाग को देखने जा रहा हूं, यदि उनके पास कोई गेम चेंजर है। मैं वाशिंगटन सुंदर, चहल और पवन नेगी को तीन स्पिनरों के रूप में देख रहा हूं, क्योंकि वे वही हैं जो यूएई में ट्रैक रिकॉर्ड के हिसाब से गेंदबाजी कर सकते हैं। इन तीन स्पिनरों में चहल सबसे अनुभवी हैं और आरसीबी को फिर से विपक्षी बल्लेबाजी इकाई को ध्वस्त करने के वे आरसीबी के सबसे बड़े हथियार होंगे। आइपीएल 2020 का आगाज 19 सितंबर से होगा, जबकि फाइनल 10 नवंबर को खेला जाएगा।

पाकिस्तानी पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने बताया,B-grade फिल्म एक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को स्लेजिंग करने के लिए जाना जाता है। पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन भी विरोधियों को स्लेज करने से नहीं चूकते थे। उन्होंने हाल ही में साल 2002 में शाहजाह टेस्ट सीरीज के दौरान हुई स्लेजिंग की चर्चा की। हेडन ने बताया कि वो पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के साथ स्लेजिंग कर उनको भटकाने की कोशिश करते थे। अख्तर एक खतरनाक तेज गेंदबाज के तौर पर जाने जाते थे लेकिन वो अक्सर ही विरोधी खिलाड़ियों के साथ उलझने के लिए भी जाने जाते थे। हेडन ने इस बात का खुलासा किया है कि यूएई की गर्मी में कैसे वो अख्तर को स्लेज किया करते थे। उदाहरण के तौर पर अख्तर जैसे किसी को मैं बी ग्रेड का एक्टर बुलाया शुरूआत में जिसने उनको काफी असर किया। हम शारजाह में खेल रहे थे और 58 डिग्री की गर्मी में हम मैदान पर थे और ऐसे में अख्तर आकर कहते हैं मैं तुम्हें आज जिंदा नहीं छोड़ूंगा, और इसके साथ ही कई सारे अलग अलग बातें कहीं।

और मैंने कहा, दोस्त आपको पता है कि मैं इस चुनौती के इंतजार में हूं। मैंने भी कई अलग अलग तरह की बातों को प्रयोग किया। इसलिए मैंने कहा, बात तुमने ध्यान नहीं दी बुद्धू। तुम्हारे पास बस 18 गेंद हैं ऐसा करने के लिए। तुम्हारे पास सिर्फ तीन ओवर ही हैं क्योंकि इसके बाद तो मार्शमैलो (दलदल में उगने वाली झाड़ियां) जैसे हो जाओगे। यही हमारी योजना है और इन 18 गेंद के दौरान मैं दूसरी छोर पर रहूंगा। तो शोएब जैसे ही मेरी तरफ गेंदबाज लेकर दौड़ते और जितनी गालियां उनको आती वो बोलते थे मैं उनकी बॉलिंग मार्क की तरफ जाता और ऐसा दिखाता कि एक से 18 तक गिन रहा हूं। वो गेंदबाजी करने जा रहे थे और तभी रुककर मेरी तरफ दौड़ते हुए आए और कहा क्या परेशानी है। मैंने कहा मुझे एक परेशानी है, मैं वेंकट के पास गया और कहा मैं खेल के लिए अपना सब कुछ दे रहा हूं और सबकुछ हासिल करने का हक भी रखता हूं लेकिन प्रोटोकॉल के मुताबिक और खेल मर्यादा के हिसाब से आप यकीनन इस तरह से किसी को गालियां देते हुए नहीं दौड़ सकते।

पूर्व कप्तान का दावा, इंग्लैंड के खिलाफ अभी भी टेस्ट सीरीज जीत सकती है पाकिस्तान की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज इंजमाम उल हक ने अजहर अली की कप्तानी वाली पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड से काफी बेहतर टीम करार दिया है। 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट हारने के बावजूद इंजमाम ने दावा किया है कि पाकिस्तान की टीम अभी भी टेस्ट सीरीज जीत सकती है। इंजमाम उल हक ने कहा है कि अजहर अली की कप्तानी वाली टीम टेस्ट सीरीज में वापसी करेगी और सीरीज जीतेगी। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले टेस्ट के चौथे दिन पाकिस्तान की टीम अच्छी स्थिति में थी और मैच पाक टीम की मुट्ठी में था, लेकिन जोस बटलर और क्रिस वोक्स ने काउंटर अटैकिंग पारियां खेलकर इंग्लैंड को मैच जिता दिया। 120 टेस्ट और 378 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 50 वर्षीय इंजमाम उल ने कहा कि पाकिस्तान को जीत की स्थिति से हारते देखना निराशाजनक था, लेकिन दूसरे मैच में चीजों को बदलने के लिए अपने देश का समर्थन किया है। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा है, मुझे लगता है कि पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड से बेहतर है और हमें पहला टेस्ट जीतना चाहिए था। यह बहुत निराशाजनक है, लेकिन मेरा मानना है कि पाकिस्तान अभी भी सीरीज जीत सकता है। बता दें कि पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने पहली पारी के आधार पर 107 रन की बढ़त हासिल की थी, लेकिन दूसरी पारी में पाकिस्तान की टीम 169 रन पर ढेर हो गई थी। बावजूद इसके पाकिस्तानी गेंदबाजों ने 117 रन पर इंग्लैंड की आधी पारी को समेट दिया था, लेकिन टीम वोक्स और बटलर की साझेदारी को नहीं तोड़ सकी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने कहा है।

इंग्लैंड टीम के गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने किया खुलासा, बताया कब लेंगे क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की टीम के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने स्पष्ट कर दिया है कि वे जल्द क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं। हाल ही में रिपोर्ट्स सामने आई थी कि जेम्स एंडरसन टेस्ट क्रिकेट को भी इस समर सीजन के बाद अलविदा कहना चाहते हैं, लेकिन सोमवार को जेम्स एंडरसन ने खुद इस बात का खंडन किया है और कहा है उनका इस सत्र के अंत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। एंडरसन ने ये भी बताया है कि वे कब संन्यास ले सकते हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीडिया से मुखातिब हुए जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वे अगले शीतकालीन एशेज सीरीज तक खेलने की इच्छा रखते हैं। इससे पहले भी 38 वर्षीय तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन इस बात को कह चुके हैं। इंग्लैंड के इस समर सीजन में जेम्स एंडरसन ने अब तक खेले 3 मैचों में 41.16 के औसत से गेंदबाजी की है, लेकिन वे उतने सफल नहीं हुए हैं, जितने के उनके आंकड़े गवाह हैं। तीन मैचों में खराब प्रदर्शन और सीरीज के बीच में आराम दिए जाने को लेकर चर्चा थी कि जेम्स एंडरसन टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं, लेकिन ये सच नहीं है। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले पेसर एंडरसन ने कहा है, ÷नहीं, बिल्कुल नही, मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहा। मुझे अब भी खेल खेलने की भूख है। मेरे लिए निराशा वाली बात ये है कि एक खराब मैच के बाद मेरी आलोचना शुरू हो जाती है। मुझे नहीं लगता कि यह उचित है। उन्होंने कहा है, यह सप्ताह व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए निराशाजनक रहा है, क्योंकि मैंने बहुत अच्छी गेंदबाजी नहीं की है, मुझे लय से बाहर महसूस हुआ है। संभवत= दस साल में पहली बार मैं मैदान पर थोड़ा भावुक हुआ, निराश होने लगा, मुझे थोड़ा बहुत हासिल करने दो। जब आप निराश होते हैं और थोड़ा गुस्सा होते हैं, तो आप तेज गेंदबाजी करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इससे मैदान पर मदद नहीं मिलती है। ऐसे में मुझे और मेहनत करने की जरूरत है।

कुमार संगकारा ने चुने फेवरेट बल्लेबाज, दो वेस्टइंडीज दिग्गज, कोई भारतीय नहीं शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के चयन पर हर किसी की अलग पसंद होती है। पूर्व श्रीलंकाई कप्तान कुमार संगकारा ने अपने दो फेवरेट बल्लेबाज को चुना है। कमाल की बात यह है कि इसमें किसी भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई का नाम नहीं है। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग और इयान बॉथम जैसे दिग्गजों का नाम नहीं। संगकारा ने सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को चुना है। श्रीलंका के दिग्गज विकेटकीपर और बल्लेबाज और अब मेलिबर्न क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष के पद पर आसीन कुमार संगकारा ने अपने पसंदीदा बल्लेबाज को चुना है। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल संगकारा ने ट्वीटर पर

फैंस के सवालों के जवाब दिए। एमसीसी के आधिकारिक ट्वीटर चैनल पर फैंस ने उनसे फेवरेट बल्लेबाज के बारे में पूछा। पूर्व कप्तान ने कहा कि विवियन रिचर्ड्स में फेवरेट थे जब तक कि ब्रायन लारा ने खेलना शुरू नहीं किया था। इसके बाद से उन दोनों की मेरी लिस्ट में बराबर की जगह रही। उन्होंने आगे कहा, ये दोनों ही वेस्टइंडीज के चैंपियन बल्लेबाजी के हीरो थे और श्रीलंका के साल 1996 में विश्व कप चैंपियन बनने के उनको काफी प्रेरणा मिली। इसकी वजह से ही वो प्रोफेशनल क्रिकेटर बने। सर विव रिचर्ड्स और ब्रायन लारा दोनों ही बल्लेबाजी के हीरो थे। मैं कहना चाहूंगा कि साल 1996 में श्रीलंका के लिए विश्व कप जीतने वाली टीम ने मुझे प्रेरित किया और इसी की वजह से मैं इंटरनेशनल क्रिकेट खेला भी। संगकारा ने जब क्रिकेट को अलविदा कहा तो वनडे में वह सचिन तेंदुलकर के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज थे। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों कि लिस्ट में उनका नाम छठे नंबर पर आता है। साल 2009 में विश्व कप में संगकारा की कप्तानी में ही टीम फाइनल में पहुंची थी। वहीं साल 2011 के विश्व कप में टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया था। साल 2014 में टी20 विश्व कप जीतकर उन्होंने फाइनल की हार का सिलसिला खत्म किया था। 134 टेस्ट में संगकारा के नाम 12400 रन बनाए जबकि 404 वनडे मैच खेलकर उन्होंने कुल 14234 रन बनाए। टेस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज के नाम 38 जबकि वनडे में 25 शतक हैं। अगस्त 2015 में भारत के खिलाफ कोलंबो में खेले गए टेस्ट मैच के बाद उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

एलपीएल की टीमों के नाम आए सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने एक नई टी20 लीग की शुरुआत करने का फैसला किया है। श्रीलंका में लंका प्रीमियर लीग के नाम से इसका पहला सीजन 2020 में ही खेला जाना है, जिसके लिए बोर्ड ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इससे पहले भी श्रीलंका में टी20 लीग खेली गई हैं, लेकिन एक या दो सीजन के बाद उनको बंद करना पड़ा है, क्योंकि उनको ज्यादा लाइमलाइट नहीं मिल सकी थी। हालांकि, इस बार बोर्ड ने विदेशी खिलाड़ियों को भी इस लीग के लिए अप्रोच किया है। श्रीलंका में लंका प्रीमियर लीग का आगाज इस साल 28 अगस्त से होना है, जबकि फाइनल मैच 20 सितंबर को खेला जाएगा। बता दें कि यहां कोरोना वायरस के काफी कम मामले हैं। ऐसे में विदेशी खिलाड़ी भी बिना किसी डर के यहां खेलने आ सकते हैं। इतना ही नहीं, भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का नाम भी लीग के ड्राफ्ट में शामिल थे, लेकिन इस पर आधिकारिक ऐलान अभी नहीं हो सकी है। हालांकि, इस लीग में कौन सी टीमें हिस्सा लेंगी। इस पर फैसला हो गया है। टूर्नामेंट के उद्घाटन सत्र में कुल 23 मुकाबले खेले जाएंगे। ये मुकाबले आर प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, रंगगिरी दांबुला स्टेडियम, पाल्लेकल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और एस महिंदा राजपक्षे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इससे पहले ही इस बात का ऐलान हो गया था कि इसमें कोलंबो, कैंडी, जाफना, दांबुला और गाले की टीमें हिस्सा लेंगी, लेकिन अब इन टीमों का नाम क्या होगा इस बात की पुष्टी हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन टीमों का नाम कुछ-कुछ आइपीएल की टीमों से प्रेरित है। श्रीलंकाई मीडिया के मुताबिक, लंका प्रीमियर लीग यानी एलपीएल में खेलने वाली 5 टीमों के नाम सामने आ गए हैं, जिनमें कोलंबो सुपर किंग्स, जाफना सनराइजर्स, गाले लॉयंस, दांबुला कैपिटल्स और कैंडी रॉयल्स है।

रामदेव की कंपनी पतंजलि ने आईपीएल की टाइटल स्पॉन्सर बनने में दिखाई दिलचस्पी- रिपोर्ट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग के 2020 के सीजन के लिए टाइटल स्पॉन्सर की डील को खत्म किया है। हालांकि, वीवो अगले साल बतौर आइपीएल टाइटल स्पॉन्सर वापसी कर सकती है, लेकिन मौजूदा समय में ऐसा नहीं होगा। ऐसे में बीसीसीआइ को आइपीएल के टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर एक नई कंपनी के साथ डील करनी होगी, जिसके लिए नीलामी होनी है।

इस बीच सामने आया है कि योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि ने भी आइपीएल के मुख्य प्रायोजक बनने में दिलचस्पी दिखाई है। वीवो को इस साल आइपीएल के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में हटने से पतंजलि कम से कम इस सीजन के लिए दुनिया की सबसे महंगी टी20 लीग की मुख्य प्रायोजक हो सकती है। ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, पतंजलि भी आइपीएल के टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए बोली लगा सकती है। पतंजलि के प्रवक्ता एसके तिजारावाला ने कहा है, हम इस वर्ष के लिए आइपीएल के शीर्षक प्रायोजन पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि हम पतंजलि ब्रांड को वैश्विक मंच देना चाहते हैं। पतंजलि को एक प्रस्ताव देने पर विचार कर रही है। इससे पहले सामने आ रहा था कि ई-कॉमर्स या फिर ई-लर्निंग कंपनी आइपीएल के टाइटल स्पॉन्सर के लिए आगे आ रही हैं। वहीं, टाटा ग्रुप ने भी इसके लिए दिलचस्पी दिखाई है, क्योंकि लंबे समय के बाद कोई बड़ा इवेंट हो रहा है। पिछले 6 महीने से एक भी इवेंट नहीं हुआ है, जिसके जरिए कंपनियां अपना प्रचार कर पाएं। ऐसे में बड़ी कंपनियों के पास मौका है कि वे आइपीएल जैसी विश्व स्तरीय लीग के साथ साझेदारी करें और अपने ब्रांड को ग्लोबल मार्केट में पहुंचाएं। इससे पहले बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 13 वें संस्करण के लिए टाइटल प्रायोजक के रूप में वीवो के बाहर निकलने को वित्तीय संकट के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि इस तरह के फैसलों के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने दूसरे विकल्पों को खुला रखना चाहिए। हालांकि, एक बात तो तय है कि बीसीसीआइ जो रकम वीवो से एक सीजन के लिए वसूलती थी, शायद उतनी रकम इस नए स्पॉन्सर से नहीं वसूल पाएगी।

आईपीएल 2021 के लिए नहीं होगा क्रिकेटरों का मेगा ऑक्शन, बीसीसीआई के सामने हैं ये चुनौतियां

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के लिए ऑक्शन दिसंबर 2019 में हुआ था। ये एक मिनी ऑक्शन था, क्योंकि 2021 के सीजन के लिए दिसंबर 2020 में मेगा ऑक्शन होना था, जिसमें टीमें फिर से बनाई जातीं, लेकिन अब ये संभव नहीं है। दरअसल, कोरोना वायरस महामारी की वजह से ऐसा हुआ है, क्योंकि आइपीएल 2020 की शुरुआत 29 मार्च से होनी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और लीग को सितंबर-नवंबर तक के लिए टालना पड़ा। ऐसे में अगले साल होने वाले आइपीएल के लिए मेगा ऑक्शन होना लगभग असंभव हो गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ भी तमाम परेशानियों से बचने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 2021 के संस्करण से पहले निर्धारित क्रिकेटरों की मेगा नीलामी की मेजबानी नहीं करेगी। कोविड -19 ने सुनिश्चित किया है कि नीलामी, जिसमें सभी फ्रेंचाइजी को अपनी टीमों का पुनर्निर्माण करना था, उसे अब अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया जा रहा है। एक अंग्रेजी वेबसाइट की रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है कि खिलाड़ी अगले साल भी आइपीएल में इन्हीं खिलाड़ियों के साथ उतरेंगी। जरूरत पड़ने पर खिलाड़ी बदले जा सकते हैं। 19 सितंबर से यूएई में शुरू होने जा रहे आइपीएल 2020 का फाइनल मुकाबला 10 नवंबर को खेला जाएगा, जबकि 2021 का आइपीएल अपने निर्धारित समय यानी अप्रैल-मई में खेला जाएगा। ऐसे में बीसीसीआइ के पास कुछ ही महीनों का समय है। इस बीच बीसीसीआइ कब आइपीएल का मेगा ऑक्शन कराएगी। इस पर संशय बना हुआ था, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो बीसीसीआइ ने 2021 आइपीएल मेगा ऑक्शन को अनिश्चितकाल के लिए टाल गिया है। एक टीम को एक सीजन के ऑक्शन पर्स की वैल्यू 85 करोड़ रुपये मिलती है, लेकिन इस समय टीमों के पास उतना पैसा नहीं होगा, क्योंकि 2020 के आइपीएल से टीमें उतना नहीं कमा पाएंगी। इसके अलावा भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट करना और फिर ऑक्शन कराना बहुत लंबी प्रक्रिया है। वहीं, फ्रेंचाइजी को बोली की तैयारी करने के लिए 4-6 महीने का समय लगता है, जिसमें नीलामी की रणनीति बनती है। ऐसे में बीसीसीआइ को भी ये स्वीकार करना होगा कि ये आसान नहीं है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने कहा है, अब मेगा ऑक्शन करने का क्या मतलब है, क्योंकि इसके लिए ठीक से प्लान करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। टूर्नामेंट 2021 संस्करण के साथ समाप्त किया जा सकता है और फिर देखा जाए कि आगे क्या करना है।

सुशांत केस में फिर बौखलाई कंगना

अब आयुष्मान खुराना को टारगेट कर बोली-चापलूस आउटसाइडर्स

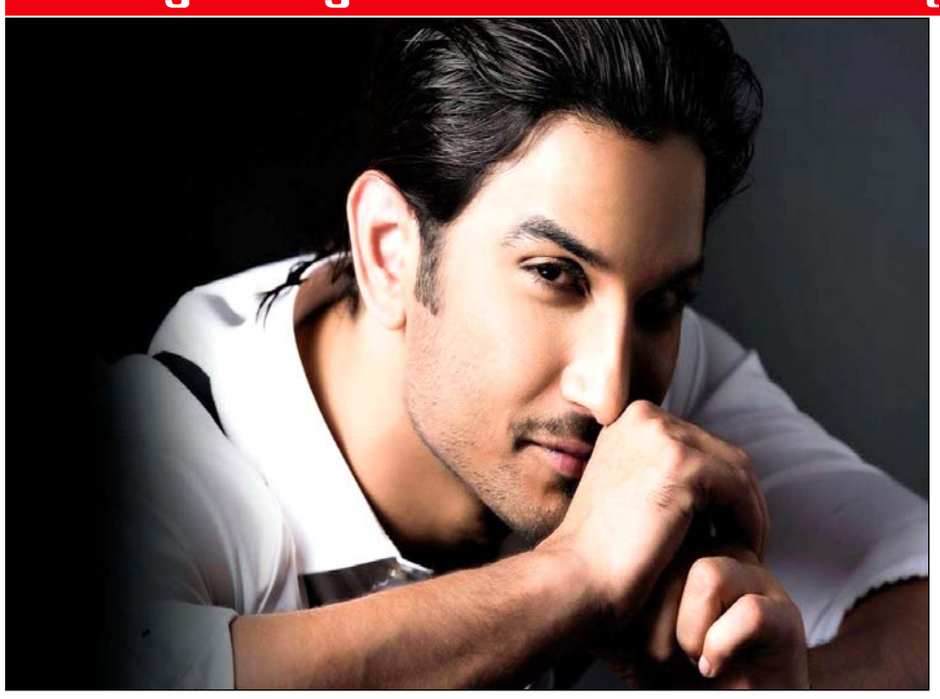

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार क्वीन कंगना रनौत वैसे तो हमेशा से ही अपनी बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं,मगर दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में उनका पारा कुछ ज्यादा हाई हो गया है,तभी तो कंगना एक भी बार उस एक्टर और डायरेक्टर को फटकार लगाने से चूक नहीं रही है जो किसी भी तरह से नेपोटिज्म या स्टार किड्स के पक्ष में दिखाई दे रहा है।

हाल ही में खबर आई की बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने रिया चक्रवर्ती का स्पोर्ट करते हुए अपना एक बयान दिया था,जिसके बाद कंगना एक्टर पर बरस पड़ी हैं,इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने तो आयुष्मान को खरी खोटी सुनाते हुए चापलूस आउटसाइडर्स तक कह दिया है।सुशांत सिंह राजपूत की सुसाइड को लेकर कंगना पिछले महीने से ही लोगों पर नेपोटिज्म और ग्रुपिज्म का आरोप लगा रही हैं। वहीं अब उन्होंने आउटसाइडर्स पर निशाना साधना शुरू कर दिया है और अब उन्होंने कमल आर खान के एक ट्वीट को रीट्वीट करते हुए आयुष्मान खुराना पर भी तंज कसा है। दरअसल केआरके ने आयुष्मान को लेकर एक ट्वीट किया जिसमे उन्होंने आयुष्मान को कहा कि वह तीन कारणों से नेपोटिज्म और स्टार किड्स का साथ दे रहे हैं। .इसके बाद जब अभिनेता के इस ट्वीट पर कंगना टीम की नजर पड़ी। तो भला वो कहां चुप बैठने वालों में से थी तो बस उन्होंने इसे रीट्वीट तो किया पर इसमें आयुष्मान का नाम लेने से थोड़ा बची रहीं। जी हां अपने इस ट्वीट में उन्होंने लिखा है, श्चापलूस आउटसाइडर्स सिर्फएक वजह से ही माफिया का सपोर्ट करते हैं, वो है उनके विचारों की सामान्यता। उन्हें इंडस्ट्री से कोई नहीं धमकाता और वे कंगना और सुशांत जैसे लोगों का मजाक बनाते हैं और सच्चाई भी बयां नहीं करते।मालूम हो कि सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून, 2020 को बांद्रा स्थित अपने फ्लैट पर फांसी लगाकर खुदखुशी कर ली थी। जिसके बाद सुशांत के पिता ने रिया चक्रवर्ती पर एक्टर को सुसाइड के लिए उक्साने का आरोप लगाया है। वहीं अब ये मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है,जिसके बाद से रिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं और ईडी उनसे पूछताछ कर रही हैं। वैसे अब देखने वाली बात होगी कि सीबीआई जांच के दौरान मामला कैसे रंग-रूप बदलता है।

रिया को मिला आयुष्मान का सपोर्ट

तो बॉलीवुड के इस स्टार समेत लोगों ने लगाई खुराना की क्लास

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में रोजाना नए-नए राज से पर्दा फाश होता दिख रहा है। इस केस में तब से नया मोड आया जब सुशांत के निधन के बाद एक्टर के पिता केके सिंह ने रिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी और जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश देने के बाद से रिया चक्रवर्ती पर भी कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। हाल ही में कुछ ऐसा हुआ हमेशा लोगों का प्यार पाने वाले आयुष्मान खुराना इस वक्त रिया चक्रवर्ती के स्पोर्ट में आने के कारण फैन्स के गुस्से का शिकार हो गए हैं। दरअसल आयुष्मान खुराना ने रिया के एक पोस्ट पर कमेंट किया था, जिसके बाद ट्रोलर्स ने उन्हें आड़े हाथों लिया और उन्होंने उन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। आयुष्मान खुराना ने रिया के पोस्ट पर हार्ट और ब्रोकन हार्ट इमोजी पोस्ट किया है। जिसके बाद लोगों ने उन्हें आउटसाइडर होते हुए सुशांत के केस पर अब तक कुछ भी न कहने को लेकर बहुत कुछ सुनाया है और उनपर अपना गुस्सा निकाला है। बता दें फैन्स के अलावा एक्टर और प्रोड्यूसर कमाल आर खान ने भी अपने ट्विटर हैंडल पर एक्टर को लेकर लिखा है,आयुष्मान खुराना के रिया चक्रवर्ती और नेपोटिज्म को सपोर्ट करने के तीन कारण हैं। उसे बॉलीवुड में सर्वाइव करना है,वह यशराज फिल्म्स का आर्टिस्ट,चिंता मत करो खुराना, तुम्हारी फिल्में भी तो जब जनता में आएंगी, तब तुम्हें सही जवाब मिलेगा,ऑल द बेस्ट। वैसे कमाल का यह ट्वीट अब जमकर वायरल हो रहा है और लोग इस पर अपना खूब रिएक्शन भी दे रहे हैं। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि खुद आयुष्मान खुराना कमाल के इस पोस्ट पर क्या जवाब देते हैं। बताया जा रहा है ईडी से पूछताछ के वक्त रिया चक्रवर्ती ने बहुत सी डीटेल्स नहीं दी हैं। जैसे रिया से उनके इनकम टैक्स रिटर्न और उनका खर्च के बारे में पूछा और रिया ने जो 2 फ्लैट खरीदे उनके डॉक्यूमेंट्स कहां हैं? इन सवालों के पूछे जाने पर रिया ने कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन इस मामले में आज दोबारा से ईडी रिया चक्रवर्ती से पूछताछ कर रही है।

ऐम्बुलेंस अटेंडेंट का दावा- पीली पड़ गई थी सुशांत की बॉडी, मुड़े हुए थे दोनों पैर

सुशांत सिंह राजपूत के केस में रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। सुशांत की डेडबॉडी लाने वाली ऐम्बुलेंस के ड्राइवर के बाद उसके अटेंडेंट का भी बयान सामने आया है। इस अटेंडेंट ने यह भी दावा किया है कि वह पुलिस के प्रेशर के कारण बहुत सारी बातें नहीं बता सकता है। हालांकि उसने यह जरूर बताया है कि जब वह पुलिस टीम के साथ सुशांत के कमरे में दाखिल हुआ था तब सुशांत की बॉडी किस अवस्था में थी। हमारे सहयोगी चौनल टाइम्स नाऊ की रिपोर्ट के मुताबिक, ऐम्बुलेंस अटेंडेंट ने कहा कि उसने पहले भी सुइसाइड वाली बॉडीज देखी हैं लेकिन सुशांत की बॉडी पीली पड़ गई थी। इस अटेंडेंट ने दावा किया है कि सुशांत की बॉडी के पैर न केवल मुड़े हुए थे बल्कि उन पर निशान भी थे। अटेंडेंट ने यह भी दावा किया कि सुशांत के गले पर बने निशान पर भी सवाल उठाए हैं। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि सुशांत ने जब फांसी लगाई तो उनके पैरों और उनके पलंग के बीच में काफी कम दूरी थी। ऐसे में जब उन्होंने फांसी लगाई होगी तो उनके पैरों पर पर चोट आ सकती है। वैसे फोरेंसिक रिपोर्ट में कहा गया है कि सुशांत के गले पर मिला निशान उसी कपड़े का है जिससे उन्होंने फांसी लगाई थी।

मलाइका अरोड़ा ने मलासन वाला पोज देकर फैन्स से मंगाई हैं ऐसी ही तस्वीरें, बताया-किन्हें करना है टैग

बॉलिवुड ऐक्ट्रेसेस की फिटनेस की जब भी चर्चा होती है, पहला नाम मलाइका अरोड़ा का आता है। मलाइका अपने काम के साथ-साथ योग, वर्कआउट आदि पर जमकर मेहनत करती हैं और ऐसा ही अपने फैन्स से भी करने के लिए अक्सर कहा करती हैं। इस पोस्ट में उन्होंने बताया भी है कि इस योगासन को कैसे करना है। उन्होंने एक-एक पॉइंट्स के साथ इस आसन को करने का तरीका भी बताया है। हालांकि, उन्होंने यह भी लिखा है कि यह पोज दिखने में काफी आसान लग रहा है, लेकिन इसे करने के लिए आपको स्टेबिलिटी और मन की शांति चाहिए। बता दें कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद मलाइका एक बार फिर से अपने काम पर लौट आई हैं और इंडिया बेस्ट डांसर शो में जज की भूमिका निभा रही हैं। रिऐलिटी टीवी शो को जज करने के लिए तैयार हुई मलाइका ने अपनी तस्वीर भी पोस्ट की थी।

सुशांत सिंह राजपूत के बहनोई ने की अंकिता लोखंडे और कृति सैनन पर खुलकर बात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने 14 जून की सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वह अपने मुंबई वाले घर पर मृत पाए गए थे। एक्टर की मौत से जुड़ी कई बातें सामने आ रही हैं। इंटरनेट पर कॉन्ट्रोवर्सी चल रही है। हाल ही में एक्टर के बहनोई विशाल कीर्ति ने बयान दिया है। उन्होंने सुशांत की एक्स-गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे और कृति सैनन पर खुलकर बात की है। विशाल कहते हैं कि कई लेवल पर बात करना बेहद जरूरी है। सुशांत से शुरू करते हैं। कई लोग जानते हैं कि सुशांत ने छह साल अंकिता को डेट किया। दोनों का रिलेशनशिप अच्छा बीता। लोगों ने सुशांत और अंकिता समेत परिवार संग भी कई फोटोज़ देखीं। कई लोग सुशांत के परिवार के लोगों को जानते थे। मेरी पत्नी को भी, क्योंकि अंकिता संग वह लगातार टच में रहती थीं। विशाल आगे कहते हैं कि सुशांत ने अंकिता से ब्रेकअप के बाद शायद कृति सैनन को भी डेट किया। हालांकि, सुशांत ने कभी इसपर खुलकर बात नहीं की और न ही बताया कि वह कृति को डेट कर रहे हैं, हो सकता है कि वे दोनों अच्छे दोस्त हों। कृति से हम आखिरी बार जुलाई 2017 में मिले थे। हम सभी को कृति अच्छी लगी थीं। आपको बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत ने अंकिता लोखंडे संग लंबा समय गुजारा। एक्टर का पूरा परिवार अंकिता को जानता था।

ऐश्वर्या की बेटी आराध्या का हिंदी की ऑनलाइन क्लासेस लेते हुए वीडियो हुआ वायरल

टीचर को कहा- धन्यवाद मिस...

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन सहित बच्चन परिवार को कोरोना वायरस का संक्रमण हो गया था। हालांकि अब पूरा परिवार स्वस्थ है और कोरोना से फ्री है। इसी बीच सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में ऑनलाइन हिंदी क्लास लेती आराध्या नजर आई। बता दें कि हाल ही में कोरोना पॉजिटिव जया बच्चन को छोड़कर पूरा बच्चन परिवार पाया गया था। आराध्या अपनी पढ़ाई पर भी कोरोना वायरस महामारी के बीच बहुत ध्यान देती दिखाई दीं। इस वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि अपनी टीचर के साथ ऑनलाइन आराध्या पढ़ाई करती नजर आ रही हैं। इस दौरान एक कुत्ते की कहानी वह पढ़ते दिखाई दीं। इतना ही नहीं जब उनकी कहानी खत्म हुई तब अपनी टीचर को बेहद विनम्र भाव से धन्यवाद किया। अपनी हिंदी टीचर को वीडियो के आखिरी में श्धन्यवाद मिसश् कहती आराध्या नजर आ रही हैं। जैसे स्कूल जाते वक्त वह वैसे ही तैयार हुई। इस दौरान अपने सिर पर हेयर बैंड भी उन्होंने पहना हुआ था कर पॉनी चुटिया एक तरफ बांधी हुई थी। अब एक बार फिर से आराध्या अपने पूरे परिवार के साथ घर पर हैं। अभिषेक बच्चन को भी बीते शनिवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी और अब वह घर पर आराम कर रहे हैं। पिछले 28 दिन बाद अभिषेक बच्चन अस्पताल से वापस अपने घर आए हैं। अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या की कोविड 19 पॉजिटिव की रिपोर्ट जुलाई महीने की शुरुआत में आई थी। अस्पताल में तुरंत अभिषेक और अमिताभ बच्चन को भर्ती किया गया था। जबकि घर में ही क्वारंटीन ऐश्वर्या और आराध्या को होने के लिए कहा गया था। लेकिन ऐश्वर्या की तबीयत एक दम खराब हुई जिसके बाद अस्पताल में उन्हें भर्ती किया गया। उसके बाद ऐश्वर्या और आराध्या को अस्पताल से एक हफ्ते बाद छुट्टी दे दी।

पछताओगे के फीमेल वर्जन में नजर आएंगी नोरा फतेही, सामने आया एक्ट्रेस का लुक

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले साल नोरा फतेही और विक्की कौशल का वीडियो सॉन्ग पछताओगे को बड़ी सफलता मिली थी। अब मेकर्स ने इस सॉन्ग को फीमेल वर्जन के साथ लाने फैसला किया, जो जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर आएगा। इस नए म्यूजिक वीडियो में नोरा फतेही नजर आएंगी। ओरिजनल ट्रैक के विपरीत, जहां टीम एक कहानी के माध्यम से भावनाओं और दिल टूटने को पकड़ती है, इस नए म्यूजिक वीडियो को नए अंदाज में कोरियोग्राफ किया गया है। वीडियो से नोरा के लुक को शेयर किया गया है, जिसमें वह काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस वीडियो को क्रिएटिविटी के साथ शूट किया गया है। वीडियो में दिल टूटने की विषाक्तता को कोरियोग्राफी, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज के माध्यम से दिखाया गया है। पछताओगे के फीमेल वर्जन को एसेस कौर ने अपनी आवाज दी है और राजित देव ने कोरियोग्राफ और निर्देशित किया है। यह सॉन्ग 14 अगस्त को टी-सीरीज के चैनल पर जारी किया जाएगा। नोरा कहती हैं, मेरा ब्रांड नोरा फतेही के रूप में है।

अंकिता लोखंडे के घर आए दो नन्हे मेहमान फोटो शेयर कर जाहिर की अपनी खुशी

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे एक्स बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत के निधन के चलते काफी दिनों से बहुत दुखी थीं, लेकिन अब उनके चेहरे पर खुशी आ गई हैं। इस खुशी का राज उन्होंने सोशल मीडिया पर जाहिर किया है। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो बच्चों के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में वह बेहद खुश नजर आ रही हैं। फोटो शेयर करने के साथ अंकिता ने बताया है कि उनके घर में दो नए मेंबर (ट्विन्स) आए हैं, जिनका नाम अबीर और अबीरा है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने यह नहीं बताया कि यह बच्चे किसके हैं। फोटो में वह ट्विन्स बच्चों को हाथों से पकड़े हुए दिख रही हैं। इस खास मौके पर अंकिता को सेलेब्स बधाइयां दे रहे हैं। इससे पहले अंकिता ने इंस्टाग्राम पर सुशांत की मां की फोटो शेयर की थी। फोटो शेयर करते हुए अंकिता ने लिखा, विश्वास है आप दोनों साथ हैं। अंकिता के इस पोस्ट पर सुशांत की बहन श्वेता ने कमेंट किया कि हां वो साथ ही हैं, लव यू बेबी, हिम्मत रखो। हमें तब तक लड़ना है जब तक की हमें इंसाफ नहीं मिल जाता। गौरतलब है कि सुशांत की मौत के मामले में पैसों से जुड़े लेन-देन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सोमवार को एक बार फिर से एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती से पूछताछ कर रही है। शनिवार को रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती से 18 घंटे तक पूछताछ हो चुकी है। वहीं, रिया चक्रवर्ती से भी ईडी ने तकरीबन आठ घंटों तक पूछताछ की थी और कई सवाल-जवाब किए थे।

क्या गुपचुप सगाई कर ली मौनी रॉय ने? वीडियो में डायमंड रिंग फ्लॉन्ट करती दिखीं

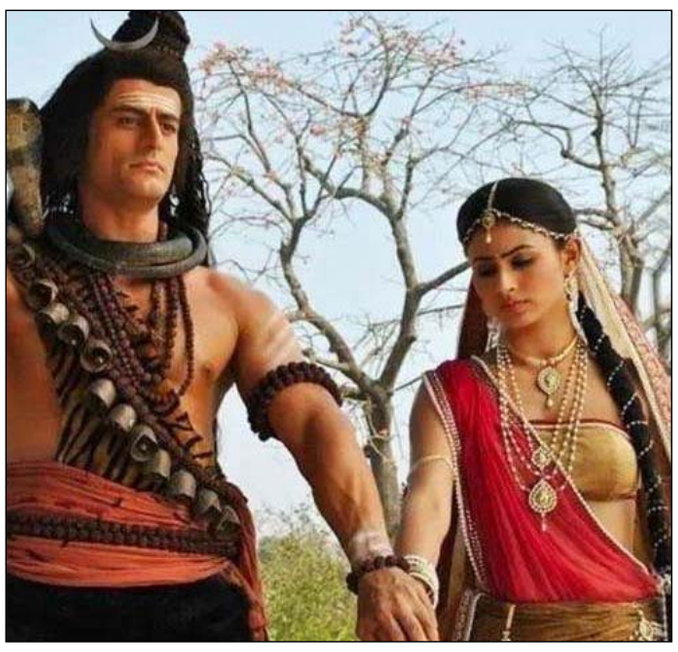

नागिन फेम एक्ट्रेस मौनी रॉय लंदन में इन दिनों रह रही हैं। दरअसल अपनी नई फिल्म की शूटिंग मौनी रॉय लंदन में कर रही हैं। वैसे तो अपने फैन्स से वह सोशल मीडिया के माध्यम से रूबरू हो रही हैं। आए दिन कुछ न कुछ अपने इंस्टाग्राम पर मौनी रॉय शेयर करती हैं। हाल ही में मौनी ने अपने इंस्टा पर नई स्टोरी शेयर की जिसके बाद सोशल मीडिया पर धमाका हो गया। एक इंस्टाग्राम फिल्टर हाल ही में टीवी एक्ट्रेस रौशनी चोपड़ा ने लॉन्च किया। उसे एक बार ट्राई मौनी रॉय ने किया। एक वीडियो मौनी ने इसके साथ बनाया और इंस्टा पर साझा किया। इस वीडियो जा सकता है कि एक बड़ी डायमंड वाली अंगूठी मौनी की रिंग फिंगर में नजर आ रही है। अब उनके फैन्स इस डायमंड रिंग को देखकर अंदाजा लगा रहे हैं कि लंदन में सीक्रेटली सगाई तो मौनी ने नहीं कर ली। अपनी इस अंगूठी को काफी मौनी रॉय वीडियो में फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। अब यह तो नहीं पता की मौनी ने सगाई की है या नहीं। टीवी के मशहूर शो देवों के देव महादेव फेम एक्टर मोहित रैना के साथ मौनी रॉय की अफेयर की बातें हुई थी। हालांकि कभी अपने रिश्ते को लेकर दोनों ने कुछ नहीं कहा। उसके बाद मीडिया में आई खबरों में कहा गया ब्रेकअप दोनों का हो गया। दोनों ने रिलेशन की तरह ब्रेकअप पर भी कुछ नहीं कहा। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि मौनी रॉय का अफेयर फिल्म ब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी संग चल रहा है। मौनी रॉय की वर्कफ्रंट की बात करें तो फिल्म ब्रह्मास्त्र में वह नजर आयंगी। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ मौनी भी दिखाई देंगी। एक अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में मौनी इन दिनों लंदन में हैं। मौनी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह कोरोना काल में शूटिंग को लेकर थोड़ा डरी हुई हैं।

बिग बॉस के 14वें सीजन का रिलीज हुआ पहला प्रोमो वीडियो, सलमान ने कहा-अब पलटेगा सीन.....

टीवी का मशहूर शो बिग बॉस के 14वें सीजन का पहला प्रोमो जारी हो गया है। कलर्स चौनल ने अपने ट्विटर पर इसका प्रोमो रिलीज करके दर्शकों को जानकारी दी। वीडियो में देखा जा सकता है कि कभी खेती सलमान खान दिख रहे हैं। जबकि वह वीडियो में अपने पुराने अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। सलमान खान वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं कि, लॉकडाउन लाया नॉर्मल लाइफ में स्पीडब्रेकर, इसलिए उगा रहा हूं चावल और चला रहा हूं ट्रैक्टर, पर अब सीन पलटेगा। सोशल मीडिया में खूब बिग बॉस 14 का यह प्रोमो वीडियो जमकर आ रहा है। इतना ही नहीं इसपर दर्शक अपने रिएक्शंस दे रहे हैं। कलर्स टीवी ने इस प्रोमो वीडियो को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, अब पलटेगा सीन, क्योंकि बिग बॉस देगा 2020 को जवाब, बिग बॉस 14 जल्द लौट रहा है। बिग बॉस 14 को लेकर आए दिन सोशल मीडिया पर खबरें आती रहती हैं। इसी बीच एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन को लेकर यह खबरें सामने आई थी कि उन्होंने बिग बॉस 14 के लिए हां कह दी है। साथ ही शो की पहली कंटेस्टेंट भी वह बन गयीं हैं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि इसको लेकर नहीं आई है। बिग बॉस 14 का प्रोमो वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो गया है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।